वर्ष–5
अंक–591
लखनऊ,
07 09 2020
मूल्य 3 रुपये
पृष्ठ–08

R.N I NO.
UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिंदी दैनिक

www.theachievertimes.com

डाक पंजीयन
संख्याःएस.एस.पी.
एल.डब्ल्यू./एनपी.
489/2015–2017

द अचीवर टाइम्स

किशोरी ने घर में फंदे से लटककर दी जान

लखनऊ (गोंडा) में कक्षा 11 की छात्रा ने शनिवार रात अपने कमरे के छत में हुक से साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना लड़की के पिता बसंत लाल जायसवाल ने पुलिस को दी। थानाध्यक्ष कौड़िया मनोज कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी आर्यनगर के कस्बा आर्यनगर चौराहे के निवासी बसंतलाल जायसवाल की पुत्री बुलबुल जायसवाल (15) स्थानीय कस्बे में संचालित इंटर कॉलेज में कक्षा 11 की छात्रा थी। वह शाम को परिवार संग खा पीकर छत के ऊपर अपने कमरे में सोने के लिए चली गई। देर रात में वह साड़ी को गले में बांधकर छत से लटककर आत्महत्या कर ली। सुबह उसके न उठने पर परिवार वाले उसे

जगाने के लिए कमरे में गए तो उसे छत से लटकी देख सभी लोग अवाक रह गए। इसकी सूचना उसके पिता बसंत लाल ने कस्बा आर्यनगर की पुलिस को दी। एसओ मनोज सिंह, चौकी प्रभारी अंकुर वर्मा, सिपाही विवेक, अखिलेश कुमार, सचिन पांडेय ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया। एसओ ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

'बेखौफ बदमाशो के सामने,पुलिस भी बेबस' 'हिस्ट्रीशीटर की हत्या से सनसनी, पुरानी रंजिश बनी हत्याकांड की वजह'

'अयोध्या उत्तर प्रदेश' उत्तर प्रदेश में बदमाशों बेखौफ हैं। पुलिस भी बदमाशों के सामने बेबस नजर आ रही है। यूपी में

लगातार अपराध बढ़ता ही जा रही है। हत्या की घटनाओं पर पुलिस अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। अयोध्या में एक हिस्ट्रीशीटर की हत्या का मामला सामने आया है। अयोध्या कोतवाली के रायगंज चौकी इलाके के कनीगंज में बदमाशों ने हिस्ट्रीशीटर राजेश निषाद की गोली मारकर हत्या कर दी। बदमाशों ने राजेश निषाद को तीन गोली मारी थी।लखनऊ जाते वक्त राजेश की रास्ते में मौत हो गई। मृतक राजेश पूर्व सभासद प्रतिनिधि भी थे। पुरानी रंजिश में इस हत्याकांड को बदमाशों ने अंजाम दिया। पुलिस ने एक आरोपी पंकज तिवारी को रात में ही गिरफ्तार किया था। तीनअभी भी फरार हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही राजेश के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

एयरपोर्ट पर दुबई की फ्लाइट से पकड़ा 71.04 लाख की विदेशी सिगरेट, सोना और परफ्यूम

लखनऊ अमौसी एयरपोर्ट पर कस्टम की टीम ने रविवार को 71.04 लाख रुपये का सोना तस्करी करने वालों ने इस मिशन के तहत चलने वाले विमानों का बेजा इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। एक्स 111 4 से यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास तस्करी का सोना विदेशी सिगरेट

विदेशी सिगरेट व परफ्यूम बरामद किया। सोने को बेस्ट के रूप में जींस में और सिगरेट व परफ्यूम सूटकेस में छिपाकर लाई जा रही थी। कोरोना संक्रमण के चलते अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक लगी हुई है। लेकिन विदेशों में फंसे नागरिकों को वापस लाने के लिए वंदे भारत मिशन के अंतर्गत विमानों का संचालन हो रहा है। लेकिन एयरपोर्ट कस्टम टीम की मुस्तैदी से रविवार को अभियान चलाकर तस्करों को पकड़ा गया है। कस्टम की उपायुक्त निहारिका लाखा ने बताया कि आयुक्त वेद प्रकाश शुक्ल के निर्देश पर चेकिंग इसी क्रम में रविवार को दुबई से आने वाली फ्लाइट एफजेड 8325 और शारजाह से लखनऊ पहुंची एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आई व परफ्यूम बरामद किया गया है। जिनकी कुल कीमत 71.04 लाख रुपए है। इसमें 5364000 रुपये की विदेशी सिगरेट है, जिसे सूटकेस में छुपा कर लाया जा रहा था। वहीं 212000 रुपये का विदेशी परफ्यूम और 1528021 रुपये का सोना शामिल है जिसे तस्कर जींस की बेल्ट में पेस्ट के रूप में छुपा ला रहे थे। तस्करों से पूछताछ जारी है।

दोस्तो के साथ गोमती नदी में नहाने गए युवक की डूबने से मौतदृ

लखनऊ। थाना ठाकुरगंज क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली गऊ घाट चौकी के मेहंदी घाट पर आज सुबह लगभग 11रू30 बजे काकोरी थाना क्षेत्र के शाह घमौली से 18 वर्षीय निजामुद्दीन पुत्र स्वरू अली मोहम्मद अपने 7 दोस्तों के साथ नदी में नहाने आया था जिसकी नदी में डूब जाने की वजह मौत हो गयी साथ आये दोस्त ने अपने दोस्तों को डूबता देख चीख पुकार मचाने लगे जिसके बाद स्थानीय लोगो ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक को ट्रामा सेन्टर लेकर गए वही ट्रामा सेंटर में डॉक्टरों ने निजामुद्दीन को मृत घोषित कर दिया।

'यूपी के लखीमपुर–खीरी में ये हो क्या रहा है'

लखीमपुर–खीरी।' राजधानी के निकटवर्ती जिले लखीमपुर–खीरी में आज फिर बहुत बड़ा बवाल हुआ, यहां के संपूर्णानगर थाना क्षेत्र में तीन बार के विधायक रहे निर्वेन्द्र कुमार मुन्ना उर्फ मुन्ना मिश्रा पीट–पीटकर निर्मम हत्या कर दी गई, जबकि हमले में पूर्व विधायक का बेटा संजीव भी घायल हुआ है। इस लोमहर्षक घटना से शहर में सनसनी फैल गई है। वारदात को अंजाम देने के बाद दबंग हथियार लहराते हुए फरार हो गए। लखीमपुर–खीरी के एसपी सतेंद्र कुमार ने सफाई देते हुए कहा है कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच हुए संघर्ष में पूर्व विधायक गिरने से बेहोश हो गए, जिसके बाद उनकी मृत्यु हो गई। पूरे मामले की जांच की जा रही है, मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आ जाएगा। लखनऊ से आईजी लक्ष्मी सिंह भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गई हैं।लखीमपुर–खीरी में पूर्व विधायक 75 वर्षीय निर्वेन्द्र कुमार मिश्रा उर्फ मुन्ना मिश्रा की निर्मम हत्या कर दी गई ! लखीमपुर के पलिया से 3 बार विधायक रहे निर्वेन्द्र कुमार मुन्ना के बेटे संजीव कुमार मुन्ना को भी बदमाशों ने लाठी से पीटकर अधमरा कर दिया है। हत्या के बाद संपूर्णानगर थाना क्षेत्र में जमकर बवाल हुआ है, इलाके में तनाव व्याप्त है। फिलहाल जिले के कई थानों की पुलिस मौके पर पहुँच गई है। निघासन विधान सभा से तीन बार निर्दलीय विधायक रहे निर्वेंद्र कुमार मिश्रा उर्फ मुन्ना की आज दिन में दबंगों ने पीट–पीटकर हत्या कर दी, पिटाई से उनके बेटे की भी हालत नाजुक बनी हुई है। मामला तहसील पलिया के त्रिकोलिया पढुआ की है। दबंगों ने दिन दहाड़े इस घटना को अंजाम दिया है। इससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है, घटना के संपूर्णानगर थाना क्षेत्र के त्रिकोलिया बस अड्डे के पास जमकर बवाल हुआ है, ग्रामीणों ने पूर्व विधायक का शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। त्रिकोलिया पढुआ बस अड्डे के मेन रोड पर पूर्व विधायक की जमीन है। इस पर विवाद के चलते मामला न्यायालय में विचाराधीन है। विवादित जमीन पर विपक्षी किशन कुमार गुप्ता आज सैकड़ों लोगों के साथ कब्जा करने पहुंच गए। यह जानकारी मिलने पर पूर्व विधायक भी अपने लोगों के साथ मौके पर पहुंचे। आरोप है कि कब्जा रोकने के लिए दबंगों ने पूर्व विधायक की लात–घूंसों से पिटाई कर दी। बचाव में दौड़े पूर्व विधायक के बेटे संजीव कुमार को पीटा गया, इससे दोनों की हालत बिगड़ गई। परिवार वालों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, रास्ते में पूर्व विधायक की मौत हो गई। संजीव को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। परिवार का आरोप है कि विपक्षीगण सैकड़ों की संख्या में हथियार से लैस लोगों को लेकर आए थे। उनका ये भी आरोप है कि घटना को पुलिस की मिलीभगत से अंजाम दिया गया है। घटना को लेकर सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि पुलिस की उपस्थिति दिनदहाड़े लखीमपुर में तीन बार के विधायक रहे श्री निर्वेन्द्र मुन्ना जी की निर्मम हत्या व उनके पुत्र पर हुए कातिलाना हमले से प्रदेश हिल गया है, श्रद्धांजलि ! भाजपा राज में प्रदेश की जनता कानून–व्यवस्था के विषय पर चिंतित ही नहीं, भयभीत भी है, मिश्रा ने कहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने बीजेपी की सेवा कार्यों की ई–बुक का किया विमोचन

लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतन्त्र देव सिंह, उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह ने लॉकडाउन और कोरोना काल में पार्टी की ओर से किए गए सेवा कार्यों पर आधारित ई बुक का विमोचनकिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉक डाउन में विपक्ष केवल राजनीति कर रहा था, विपक्षी दलों के लोग सेवा कार्य की जगह प्रदेश सरकार और संगठन की ओर से किए जा रहे सेवा कार्य मे बाल की खाल निकालने का काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं ने साबित किया है कि सेवा ही संगठन है। पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

पत्नी के गंभीर आरोपों के बाद आईपीएस को मूल काडर में भेजने की तैयारी

लखनऊ यूपी काडर के 2009 बैच के आईपीएस अखिलेश चौरसिया यूपी काडर में वापस भेजे जाएंगे। पिछले साल मार्च में वह प्रतिनियुक्ति पर सीबीआई गए थे, जहां उन्हें बतौर एसपी चंडीगढ़ भेजा गया था। चौरसिया की पत्नी की गंभीर शिकायतों के बाद उन्हें चंडीगढ़ से वापस दिल्ली बुला लिया गया है और अब उन्हें मूल काडर यूपी में वापस भेजने की तैयारी है। जानकारी के अनुसार अखिलेश चौरसिया की पत्नी ने उन पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। उनके चरित्र को लेकर सवाल खड़े किए थे। सुबूत के तौर पर पेन ड्राइव में ऑडियो रिकॉर्डिंग और तस्वीरों के साथ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य अफसरों को शिकायती पत्र भेजा था। इसके बाद अखिलेश चौरसिया को तत्काल चंडीगढ़ से हटा दिया गया।कई प्रमुख जिलों में रह चुके हैं कप्तान अखिलेश चौरसिया अपने 11 साल के कॅरिअर में औरैया, प्रतापगढ़, खीरी, झांसी, एटा और अयोध्या जिले में पुलिस कप्तान रह चुके हैं। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण उन्हें अयोध्या से हटाया गया था। एक मार्च 2019 सीबीआई में चले गए।

एमएसएक्स मॉल के पांच निदेशक समेत 8 पर धोखाधड़ी का केस

ग्रेटर नोएडा। शहर के ओमेगा–1 साइट–4 स्थित एमएसएक्स मॉल के पांच निदेशकों, दो प्रबंधकों और एक वाइस प्रेसीडेंट पर बीटा–2 थाने में धोखाधड़ी आदि की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह कार्रवाई पार्श्वनाथ सोसाइटी निवासी मालती यादव की शिकायत और कोर्ट के आदेश पर की है। महिला का आरोप है कि उसने मॉल में ग्राउंड फ्लोर में वर्ष 2014 में 45 लाख रुपये में दुकान बुक कराई थी। कब्जा तीन साल में मिलना था, लेकिन छह साल बाद भी उन्हें दुकान नहीं दी गई। बुक कराई गई दुकान किसी अन्य को बेच दी गई। पुलिस का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज किया गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी। अधिवक्ता भूपेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि सेक्टर स्थित पार्श्वनाथ एस्टेट सोसाइटी निवासी मालती यादव ने कोर्ट में दी गई शिकायत में कहा कि यूपीएसआईडीसी साइट–4 में स्थित एमएसएक्स मॉल के ग्राउंड फ्लोर पर उसने 460 वर्गमीटर की 9800 रुपये प्रतिवर्ग फीट की दर से 45 लाख रुपये में दुकान बुक की थी। 13 अप्रैल 2014 को उन्हें अलाटमेंट लेटर देकर तीन साल बाद कब्जा देने का आश्वासन दिया गया था। इस बीच 52 हजार रुपये प्रतिमाह रिटर्न देना तय हुआ था। निर्धारित समय में कब्जा न मिलने पर बिल्डर से जब इसकी शिकायत की तो उन्होंने आश्वासन दिया गया कि उनकी दुकान अन्य प्रोजेक्ट में दी जाएगी। आरोप है कि इसके बावजूद उन्हें दुकान आवंटित नहीं की गई। जब मॉल की डायरेक्टर समेत अन्य पदाधिकारियों से रुपये वापस मांगे तो उनके साथ गाली गलौच और धमकी दी गई। पुलिस से शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नही तो उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इन पर दर्ज हुआ केस कोर्ट के आदेश पर बीटा–2 थाने में एमएसएक्स मॉल की निदेशिका अल्का अग्रवाल निवासी सेक्टर–26 नोएडा, निदेशक माधव सरन निवासी सेक्टर–26 नोएडा, वाइस प्रेसीडेंट गिमा निवासी सेक्टर–26, निदेशक संदीप गोयल निवासी सेक्टर–6 नोएडा, डायरेक्टर रजत कंवर निवासी सेक्टर–6 नोएडा, अनिल जैन निवासी सेक्टर–6 नोएडा, स्वाति मलिक निवासी सिटी पाई–4 ग्रेटर नोएडा के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का अधिकारी है हिजबुल आतंकी सलाहुद्दीन, दस्तावेज ने खोली पोल

नई दिल्ली पाकिस्तान की ओर से जम्मू–कश्मीर में आतंक फैलानी वाली पाकिस्तानी एजेंसियों और आतंकियों के बीच सांठगांठ की खबर से हर कोई वाकिफ है, लेकिन पाकिस्तान इसे हमेशा इनकार करता आया है। इस बार इस सच से जुड़ा एक पुख्ता दस्तावेज भारतीय एजेंसियों के हाथ लगा है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने एक नया दस्तावेज हासिल किया है, जो पाकिस्तान की इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस के साथ आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन के प्रमुख सलाहुद्दीन की निकटता की पुष्टि करता है। यह दस्तावेज अक्टूबर में फाइनेंशियल ऐक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की बैठक से पहले भारत के हाथ लगा है। इससे उम्मीद की जा रहा है कि एफएटीएफ में पाकिस्तान पर शिकंजा थोड़ा और कस सकता है। भारतीय एजेंसियों के हाथ जो दस्तावेज लगे हैं उसमें हिजबुल मुजाहिद्दीन के प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन को उनकी खुफिया एजेंसी आईएसआई का अधिकारी बताया गया है। यह कागजात उसे पाकिस्तान में बिना रोक–टोक घूमने की इजाजत देने के लिए बनाया गया है। सलाहुद्दीन के वाहन का विवरण साझा करते हुए निर्देश है कि उन्हें सुरक्षा की मंजूरी दे दी गई है और अनावश्यक रूप से

आईएसआई का अधिकारी है सलाहुद्दीन! मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, निदेशक कमांडिंग अधिकारी वजाहत अली खान के नाम से जारी पत्र में कहा गया है कि श्यह प्रमाणित है कि सैयद मोहम्मद यूसुफ शाह, इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई, इस्लामाबाद) के साथ काम कर रहे हैं। वह इस विभाग के अधिकारी हैं। रोका नहीं जाना चाहिए। इस पत्र में यूसुफ शाह को हिजबुल मुजाहिद्दीन का अमीर यानी मुखिया बताया गया है। सैयद सलाहुद्दीन का एक नाम सैयद मोहम्मद यूसुफ शाह भी है, उसके लिए जारी किया पत्र 31 दिसंबर, 2020 तक मान्य है। भारत में फिर से पांव जमाने की कोशिश कर रहा हिजबुल बता दें कि, यह पत्र ऐसे वक्त में सामने आया है जब हिजबुल मुजाहिद्दीन भारत में अपनी पकड़ को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। भारतीय सेना ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बारे में जानकारी दी थी। सेना अधिकारी ने कहा था कि उत्तरी कश्मीर में हिजबुल मुजाहिद्दीन की गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। ऐसा लगता है कि हिजबुल इस इलाके में अपना बेस दोबारा बनाने की कोशिश कर रहा है। यूनाइटेड जिहाद काउंसिल का भी प्रमुख है सलाहुद्दीन सैयद सलाहुद्दीन, हिजबुल मुजाहिद्दीन का प्रमुख होने के अलावा, वह संयुक्त जिहाद परिषद (यूजेसी) का भी प्रमुख है जो कई आतंकवादी समूहों का पैतृक संगठन है। यूजेसी में लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन शामिल हैं। एफएटीएफ में पाक की मुश्किल बढ़ाएगा यह दस्तावेज भारत में कई हमलों के लिए जिम्मेदार प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिजबुल के आईएसआई के साथ संबंधों के स्पष्ट प्रमाण मिलने से भारतीय एजेंसियां बहुत उत्साहित हैं इस दस्तावेज से एफएटीएफ में पाकिस्तान को ब्लैकलिस्ट करने में मजबूती मिलेगी।

चीन के अगले कदम पर भारत की नजर, अगले हफ्ते हो सकती है जयशंकर और वांग यी की मुलाकात

नई दिल्ली भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद जारी है। इसी बीच भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मॉस्को में अपने चीनी समकक्ष वेई फेंगही के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। मई की शुरुआत में शुरू हुए गतिरोध के बाद दोनों मंत्रियों की यह पहली बैठक थी। वहीं नौ से 11 सितंबर तक विदेश मंत्री एस जयशंकर मॉस्को में होंगे। माना जा रहा है कि यहां जयंशकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच बैठक हो सकती है। दूसरी तरफ नई दिल्ली में बैठे अधिकारियों का कहना है कि वे देखना चाहेंगे कि एक तरफ दोनों पक्ष गतिरोध की स्थिति में हैं और बैठक के बाद आधिकारिक बयान जारी कर चुके हैं। ऐसे में भारत की नजर जमीन पर चीन के अगले कदम पर है। साउथ ब्लॉक का मानना है कि इस बार चीन का संकट के समाधान के लिए उसकी प्रतिबद्धता और ईमानदारी को लेकर परीक्षण किया जाएगा। खासतौर पर तब जब भारतीय जवानों ने चुशूल सेक्टर में एलएसी की सामरिक ऊंचाइयों पर कब्जा कर लिया है। सैन्य कमांडरों और राजनयिकों के बीच शुक्रवार तक व्यक्तिगत रूप से बातचीत हुई थी। यह भी सलाहकार (एनएसए) के स्तर पर बातचीत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। हालांकि इन वार्ताओं का कोई खास नतीजा नहीं निकला। पांच जुलाई को एनएसए अजित डोभाल और चीन के स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री वांग यी के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बात हुई थी। इसमें शुरुआती स्तर पर गतिरोध कम करने पर सहमति बनी थी।जुलाई मध्य के बाद जमीनी स्तर पर कोई फॉरवर्ड मूवमेंट नहीं हुआ है। हालांकि जब भारतीय जवानों ने चुशूल में ऊंचाइयों पर कब्जा कर लिया तो इससे चीनी प्रयास अवरुद्ध हो गए।

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर वेई पूरी तरह से सेना को पीछे हटाने के लिए बीजिंग के उच्च अधिकारियों को मना पाते हैं या नहीं। जहां पढ़ें– चीन और पाकिस्तान को सख्त संदेश देने ईरान पहुंचे राजनाथ, मध्य एशियाई देशों को भी साधा विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा इसके बाद चीन के रक्षा मंत्री ने भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बातचीत की मंशा जाहिर की। भारत बैठक के लिए तैयार हो गया।

पूर्व स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन बनीं विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्वतंत्र दल की सदस्य

दिल्ली विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपने स्वतंत्र दल महामारी की तैयारी और प्रतिक्रिया के सदस्यों की सूची में पूर्व स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन का नाम भी शामिल किया है। संगठन ने विश्व से 11 लोगों को इस स्वतंत्र दल का सदस्य बनाया है। इन सदस्यों का चुनाव न्यूजीलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री हेलेन क्लार्क और पूर्व लाइबेरिया राष्ट्रपति एलन जॉनसन सरलीफ ने किया है। हालांकि प्रीति सूदन के नाम पर भारत से एक मौन प्रतिक्रिया सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने इस पोस्ट के लिए पूर्व विदेश सचिव विजय गोखले के नाम की सिफारिश की थी। इस हफ्ते हुई बैठक में हेलेन क्लार्क का मानना था कि महामारी के दौरान भारतीय सरकार में सूदन का अनुभव इस काम में उनको काफी मदद देगा। इस बैठक में भारत को आमंत्रित किया गया था ताकि वो अपने उम्मीदवार का चयन कर सके लेकिन बैठक के अध्यक्ष के पास पूरी आजादी होती है कि वो अपना उम्मीदवार खुद चुने जैसे उन्होंने प्रीति सूदन को चुना। तीन सितंबर को जारी की गई एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि पैनल ने 120 लोगों की समीक्षा की लेकिन उनका चयन उनके कौशल के आधार पर किया गया है।विज्ञप्ति में कहा गया कि दल के सभी सदस्य अपनी व्यक्तिगत क्षमता में काम करेंगे, कोई भी अपनी सरकार और किसी विशेष संगठन का चेहरा बनकर काम नहीं करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विजय गोखले का नाम प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से कई कारणों को देखते हुए आगे बढ़ाया गया था। एक कारण यह था कि गोखले ने चीन में भारतीय राजदूत और विदेश सचिव के पद पर सेवा दी है। हालांकि प्रीति सूदन का कहना है कि उन्हें इस पद के बारे में कोई जानकारी नहीं है। लिए आवेदन भी नहीं किया था।

कोरोना पर राहत भरी खबर एक दिन में 70,000 मरीजों को मिली अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली देश में कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों के आंकड़ों में तेजी आई है, पिछले 24 घंटों में 70,000 ठीक हुए मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दी गई है। ये अब तक का रिकॉर्ड आंकड़ा है, एक दिन में इतनी संख्या में मरीज अस्पताल से छुट्टी लेकर घर नहीं गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी है। पांच सितंबर को एक दिन में 70,072 मरीज ठीक होकर अपने घर गए हैं और मौजूदा समय में देश की कोरोना से रिकवरी दर 77.23 फीसदी हो गई है। मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक तीन सितंबर को कोविड–19 बीमारी से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 68,584 थी,

एक सितंबर को 65,081 और 24 अगस्त को 57,469 थी। मंत्रालय का कहना है कि देश में कोरोना बीमारी से लड़ने वाले मरीजों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि देखने को मिली है। मई में कुल ठीक हुए मरीजों की संख्या 50,000 थी, जो सितंबर में आकर 30 लाख हो गई। मौजूदा समय में देश में कोविड–19 से ठीक हुए मरीजों की संख्या 31 लाख के पार हो गई है।देश में कोरोना से कुल ठीक हुए मरीजों में 60 फीसदी योगदान पांच राज्यों का है। महाराष्ट्र ने 21 फीसदी रिकवरी का योगदान दिया है, जो कि सबसे ज्यादा है। इसके बाद 12 फीसदी के साथ तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश का 11.91 फीसदी, कर्नाटक का 8.82 फीसदी और उत्तर प्रदेश का 6.14 फीसदी योगदान रहा। मंत्रालय का कहना है कि देश में कोरोना के कुल मामलों में 75 फीसदी मामले रिकवर हो चुके हैं। इसके अलावा भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया कि पांच सितंबर तक 4.88 करोड़ से ज्यादा सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं,

नोएडा पुलिस मुठभेड़ में अंतर जनपदीय लूटेरा गैंग के दो बदमाश घायल, एक फरार

नोएडा उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर–39 में शनिवार रात पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में दो बदमाश घायल

हो गए। वहीं उनका एक साथी भागने में कामयाब हो गया। नोएडा के एडीसीपी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि दो बदमाश घायल हुए हैं और एक फरार हो गया। ये अंतर जनपदीय लूटेरा गैंग से सदस्य हैं। बीते जुलाई महीने में महामाया अंडरपास के पास हुई लूट को भी इन्होंने ही अंजाम दिया था।

ग्रेनो में दिखा पैराशूट, ट्वीट कर पुलिस से शिकायत

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे के पास परी चौक व चाई–2 के बीच एक राहगीर ने आसमान में पैराशूट देखकर पुलिस से शिकायत की। पैराशूट के फोटो खींचकर गौतमबुद्ध नगर पुलिस व यूपी पुलिस को टैग किए हैं। आलाधिकारियों ने नॉलेज पार्क और बीटा–2 थाना पुलिस को जांच के आदेश दिए हैं। हालांकि देर रात तक यह पता नहीं चल पाया कि पैराशूट कहां से आया था और उसमें कोई सवार था या नहीं। अक्सर पैराशूट का इस्तेमाल हवाई जहाज में सफर के दौरान किसी अनहोनी की आशंका पर

सेना आदि करती हैं। शनिवार दिन में ही ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे के पास आसमान से एक पैराशूट उतरता दिखा। अंकित नागर नाम के कार सवार राहगीर ने उसकी फोटो अपने मोबाइल में कैद की और ट्वीट के माध्यम से पुलिस को इस बात की सूचना दी। एडिशनल डीसीपी विशाल पांडे का कहना है कि नॉलेज पार्क और बीटा–2 थाना पुलिस को मामले की लिए कहा गया है। हालांकि पैराशूट के संबंध में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल पाई है।

मेट्रो में बिना मास्क पकड़े जाने पर 500 रुपये जुर्माना

नोएडा। एक्वा लाइन पर मेट्रो कोच या परिसर में बिना मास्क पकड़े जाने पर यात्री को 500 रुपये जुर्माना देना होगा। यही नहीं थूकने पर भी पहली बार में 100 और फिर प्रत्येक बार 500 रुपये जुर्माना लिया जाएगा। आगामी 7 सितंबर से मेट्रो के संचालन को देखते हुए नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएमआरसी) ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए कड़े नियम बनाए हैं। शनिवार को मेट्रो रूट का तकनीकी ट्रायल भी किया गया। एनएमआरसी की एमडी रितु माहेश्वरी ने बताया कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। बिना मास्क और थूकने पर जुर्माने का प्रावधान तय किया गया है। यात्रा की जा सकेगी। यात्रियों को संक्रमण से बचने के लिए पहले दोनों विकल्पों का उपयोग ज्यादा से ज्यादा करना होगा।

अक्षय कालरा हत्याकांड चंद रुपयों के लिए बदमाशों ने बुझा दिया मेरे घर का चिराग

'बदमाशों ने चंद रुपयों के लिए बेटे को मारकर मेरे घर का चिराग बुझा दिया। मैं नहीं चाहता कि जो बुरा वक्त मैंने झेला, वह किसी और पिता के सामने आए। सरकार और पुलिस ऐसी व्यवस्था करें, जिससे भविष्य में किसी और पिता को बेटे की अर्थी नहीं उठानी पड़े। कार लूट के दौरान हमले में मारे गए बीटेक छात्र अक्षय कालरा के पिता गुलशन कालरा ने शनिवार को यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि एक पिता के लिए सबसे बड़े दुर्भाग्य का वह दिन होता है जब उसे बेटे की अर्थी उठानी पड़े। बदमाशों ने चंद रुपयों के लिए कार लूटी, लेकिन इस घटना में उनका अनमोल बेटा चला गया। बदमाशों ने उनके घर का दीया हमेशा के लिए बुझा दिया। यदि सरकार और पुलिस उन्हें न्याय दिलाना चाहती हैं तो अपराधियों को ऐसी सजा दिलाएं कि दूसरों बदमाशों को भी सबक मिले। फिर कोई बदमाश किसी का बेटा नहीं छीन पाए। जो घटना मेरे साथ हुई वह किसी और पिता को नहीं झेलनी पड़े। बेटा नहीं दोस्त चला गया कानपुर में तैनात एलआईसी के चीफ इंजीनियर गुलशन कालरा बार–बार यही कह रहे थे कि अक्षय

उनका बेटा ही नहीं बल्कि दोस्त भी था। बीमार होने के बाद भी वह पूरे परिवार का ध्यान रखता था। जब भी वह कानपुर से आते तो नई–नई डिश बनाकर उन्हें और अपनी मां को खिलाता था। अक्षय अच्छा कुक और बेटा होने के साथ–साथ अच्छा दोस्त भी था। वह हर काम में बेटे की सलाह लेते थे। ....तो बदमाशों को कार देकर कलेजे के टुकड़े को बचा लेती बेटे की मौत पर मां गीता कालरा के आंसू नहीं थम रहे हैं। फफक–फफक रोती मां सिर्फ यही कर रही है कि उनके बच्चे ने किसी का क्या बिगाड़ा था। कार ले जानी थी तो ले जाते, उनके लाल को क्यों छीन लिया। काश मैं अक्षय के साथ होतीं तो बदमाशों के पैर पकड़कर और उन्हें कार देकर बच्चे को बचा लेती। अक्षय पूरा दिन घर में पढ़ाई करता था। घर में किसी भी सामान की जरूरत होने पर शाम को लेने के लिए निकलता था। मां गीता कालरा को भी साथ लेकर जाता था। बुधवार रात खाना खाने के बाद उसने मां से कहा कि कार से घूमने चलेंगी तो उन्होंने तबियत ठीक नहीं होने की बात कहकर इनकार कर दिया था। मां ने अक्षय से भी बाजार जाने से मना किया और कहा कि सामान कल आ जाएगा। अक्षय रोजाना सोसाइटी में टहलने के दौरान पापा और बहन से बात करता था। बुधवार को बात करने के बाद वह कार लेकर बाजार की ओर निकल गया। मां ने अक्षय को इसलिए कॉल नहीं की, क्योंकि वह करीब साढ़े बारह बजे तक बाहर टहलता था।

एनसीआर में गांजा तस्करी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

नोएडा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की नोएडा यूनिट ने एनसीआर में गांजा तस्करी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। टीम ने तेलंगाना से मध्य प्रदेश के रास्ते एनसीआर आ रहे दो तस्करों को आगरा–कोटा रोड स्थित तहसील चौराहे से 1727 किग्रा गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान गाजियाबाद के सुहाना गांव निवासी शुभम त्यागी और बेगमाबाद निवासी लोकेश के रुप में हुई है। बरामद गांजे की कीमत 4.5 करोड़ रुपये बताई गई है। एसटीएफ अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। एएसपी एसटीएफ राजकुमार मिश्रा ने बताया कि सूचना मिली थी कि तेलंगाना से कैंटर में भारी मात्रा में गांजा दिल्ली–एनसीआर लाया जा रहा है। यह भी सूचना थी कि मध्य प्रदेश में कैंटर के चालक व हेल्पर एक होटल में रुकेंगे। सूचना पर मध्य प्रदेश के सुसनेर थाना पुलिस की मदद से वहीं के तहसील चौराहे पर दोनों तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। एसटीएफ को पूछताछ में पता चला है कि आरोपी तेलंगाना से गांजा लेकर आंध्र प्रदेश बॉर्डर से नागपुर, खगौन और बुढ़ानपुर से होते हुए गाजियाबाद और दिल्ली–एनसीआर में आते थे। तस्करी वाले कैंटर में बड़ी केबिन बना दी जाती थी, ताकि पुलिस को गांजे की भनक नहीं लगे। कैंटर के अन्य हिस्से में सीमेंट की बोरी रख दी जाती थीं। आरोपियों ने पूरे एनसीआर में अपना जाल फैला रखा है। गिरोह से बड़ी संख्या में आरोपी जुड़े हुए हैं, जो युवाओं को नशे का आदी बना रहे हैं। आरोपी दिल्ली एनसीआर के शिक्षण संस्थान, पीजी हॉस्टल के छात्रों तक भी गांजा पहुंचाते हैं। हर जिले में 5 से 10 गुर्गे, बुलंदशहर बना केंद्र गांजा बेचने के लिए गिरोह के हर जिले में 5 से 10 गुर्गे हैं जो सड़क पर घूम–घूमकर गांजा बेचते हैं।

5 ग्राम के पुड़िया की कीमत 60 से 80 रुपये है। गांजा तस्करी का नेटवर्क बुलंदशहर और आंध्र प्रदेश में बैठकर संचालित किया जा रहा है। रैकेट का सरगना सुनित चौधरी उर्फ मामा बुलंदशहर के गुलावठी का रहने वाला है। वहीं, गाजियाबाद निवासी इरफान उर्फ नेता आंध्र प्रदेश में रह रहा है। इरफान वहां से कैंटर लोड करवाकर भेजता है। गिरफ्तार आरोपी लोकेश रिश्ते में सुनित चौधरी का जीजा है। सुनित गांजा सप्लाई की सूची तैयार करता है। वहीं, लोकेश ट्रांसपोर्ट का काम देखता था। दो दिन पहले बीटा–2 थाना पुलिस ने भी 3 करोड़ से अधिक का मादक पदार्थ बरामद कर 6 तस्करों को बुलंदशहर के अनूपशहर से गिरफ्तार किया था।

लूट की बजाय संदिग्ध कार की सूचना फ्लैश करती रही पुलिस

नोएडा। पुलिस ने क्रेटा कार लूट की घटना को शुरुआत में गंभीरता से नहीं लिया। घटना के बाद लूट की बजाय संदिग्ध क्रेटा कार पर नजर रखने की सूचना फ्लैश की ई। इस वजह से आसपास के थानाक्षेत्रों की पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और आरोपी फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस के अधिकारी ही शुरुआती कार्रवाई पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं छात्र की मौत की सूचना को भी पुलिस देर रात तक छिपाती रही। जानकारी के अनुसार बुधवार रात जब घटना हुई तो संबंधित थानाक्षेत्र से सूचना फ्लैश की गई कि सभी आसपास के थाने अपने क्षेत्रों में एक संदिग्ध क्रेटा कार पर नजर रखें। एक पुलिस अधिकारी का कहना है कि जब लूट की घटना हुई थी तो संबंधित थाना पुलिस स्टेशन। रोजाना इन स्टेशनों से करीब 70 हजार से अधिक लोग दिल्ली–एनसीआर के लिए सफर करते हैं। लॉकडाउन के कारण मेट्रो का परिचालन बंद कर दिया गया था, को लूट के संबंध में ही सूचना फ्लैश करनी चाहिए थी। जिससे आसपास के थानों की पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की तलाश में जुट जाती। ऐसे में घटना की रात ही आरोपियों को पकड़ा जा सकता था। वहीं अक्षय की मौत की जानकारी चिकित्सकों ने परिजनों को पुलिस के सामने शुक्रवार रात साढ़े नौ बजे ही दे दी थी। लेकिन पुलिस इस बात को देर रात तक छिपाती रही। पुलिस और मीडिया के व्हाटस एप ग्रुप में भी इस बात की कोई सूचना नहीं दी गई। जबकि मीडियाकर्मी लगातार पुलिस से अक्षय की स्थिति के बारे में जानकारी लेने का प्रयास कर रहे थे। देर रात पुलिस अधिकारियों ने अक्षय की मौत होने की बात स्वीकार की। अक्षय की मौत के बाद पुलिस ने किसी तरह के विवाद से बचने के लिए शव को सेक्टर–94 स्थित पोस्टमार्टम हाउस भिजवा दिया था। अक्षय ने बदमाशों से लिया था लोहा कार लूटने के दौरान आरोपियों ने अक्षय के सिर पर ही हमला नहीं किया बल्कि पीठ, हाथ–पैर और घुटनों पर भी वार किए। यह बात परिजनों ने मीडिया के समक्ष बताई। उन्होंने कहा कि अक्षय के पैर में फैक्चर था और घुटने में भी चोट लगी थी। इससे साफ है कि अक्षय ने कार लूट के दौरान बदमाशों से लोहा लिया था। इसी वजह से आरोपी उस पर प्रहार करते रहे।

डीएमआरसी ने निर्धारित किए स्टेशन में दाखिल होने के लिए गेट

फरीदाबाद। अनलॉक 4 में मेट्रो के परिचालन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। फरीदाबाद से दिल्ली के लिए 10 सितंबर को मेट्रो पटरी पर दौड़ने लगेगी। इस दौरान कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने सभी तैयारी कर ली हैं। स्टेशन पर यात्रियों के आने और जाने के लिए एक–एक गेट ही खोला जाएगा। उसकी सूची डीएमआरसी ने जारी कर दी है। साथ ही यात्रियों की सुविधा के लिए मेट्रो का ठहराव समय भी 10 सेकेंड बढ़ाया गया है। शहर में दिल्ली के बदरपुर मेट्रो स्टेशन के बाद से फरीदाबाद जिले की सीमा से मेट्रो स्टेशन शुरू हो जाते हैं, जिसमें सबसे पहले है सराय मेट्रो स्टेशन, आता है। इसके बाद एनएचपीसी, मेवला महाराजपुर, सेक्टर–28, बड़खल मोड़, ओल्ड फरीदाबाद, नीलम चौक अजरौंदा, बाटा चौक, एस्कॉर्ट्स मुजेसर, संत सूरदास (सीही) और अंतिम मेट्रो स्टेशन है राजा नाहर सिंह बल्लभगढ़ मेट्रो

समाचार–पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।

सम्पादकीय

शिखर आंदोलनकारी की असमय विदाई

शेखर पाठक

वर्ष 1983 का वह न जाने, कौन–सा महीना था। सिल्यारा, चम्याला समेत बालगंगा घाटी के अनेक गांवों की सैकड़ों महिलाएं घणसाली के रेंज ऑफिस में चीड़ के छिलकों की मशाल जलाकर पहुंची थीं। लगता था कि यह चिपको की बची ताकत और एक जन आंदोलन की आंतरिक पुकार थी। महिलाएं कटान रोकने के साथ वनाधिकार की मांग कर रही थीं। कुछ वर्षों बाद चेतना आंदोलन को विकसित करने वाले त्रेपन सिंह चौहान तब कक्षा सात के विद्यार्थी थे। उनकी चेतना का अंकुरण यहीं से हुआ था। वर्ष 1980 के आसपास चिपको के उतार और टिहरी बांध आंदोलन के बिखराव ने भिलंगना घाटी के चिपको से जुड़े या प्रेरित नौजवानों को संगठित होने और नई परिस्थितियों में अपनी राह परिभाषित करने को विवश किया। पांच जून, 1995 को चेतना आंदोलन जन्मा। शुरू में यह भ्रष्टाचार के विरोध के अलावा जंगलों, चरागाहों और नदियों के मुद्दों पर केंद्रित रहा। भ्रष्टाचार विरोध के कारण 1996 में चेतना आंदोलन के कार्यकर्ताओं पर निहित स्वार्थों ने अनेक मुकदमे दायर किए। कार्यकर्ताओं के लिए काम करना मुश्किल हो गया। उन्हें असामाजिक तत्व घोषित किया गया। उस समय सुंदरलाल बहुगुणा सहित विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ता चेतना आंदोलन के समर्थन में आए। समूह फिर अपने काम में जुट गया। 1980 के बाद चिपको के अनेक अच्छे परिणाम आने के बावजूद 1949 में उत्तर प्रदेश में विलीन टिहरी रियासत (जिला टिहरी और उत्तरकाशी) में 1998 तक भी वन पंचायतों का गठन नहीं हो सका। अगले पांच साल तक चेतना आंदोलन ने वन पंचायतों की स्थापना हेतु काम किया। अनेक वन पंचायतें बनीं, पर उनमें जंगल नहीं थे। इस तरह वृक्षारोपण और घेराबंदी के प्रयास हुए, ताकि स्वयं जंगल उग सकें। कुछ सफलता मिली। लोगों को पता चला कि पेड़ों की हिफाजत के कारण घास का उत्पादन बढ़ा है तथा अतिरिक्त जलावन उपलब्ध हुआ है। गंगा देवी, जगदेई देवी, झड़ीदेवी तथा यशोधरा देवी जैसी कर्मठ, सामाजिक नेत्रियों का उदय पंचायतों और वन पंचायतों से हुआ। ये सभी चेतना आंदोलन की आधार बनीं। मार्च, 2004 में जब भिलंगना नदी पर फलिन्डा में 22.5 मेगावाट की भिलंगना फेज1 जलविद्युत परियोजना बिना स्थानीय समुदायों की सहमति के बनने लगी, तो चेतना आंदोलन ने तब से अप्रैल, 2006 तक आंदोलन किया। जन सुनवाइयां कीं। दर्जनों लोग गिरफ्तार किए गए और जेल में रखे गए। समस्त ग्रामीणों के विरोध के बावजूद यह योजना बनी, पर जन आंदोलन के कारण ग्रामीण समाज के सिंचाई तथा मुर्दाघाट के अधिकारों को स्वीकारा गया। इसके बाद चेतना आंदोलन ने महिलाओं को सुसंगठित करना शुरू किया। ग्राम प्रधान के चुनावों में उन्हें उतारा। चालीस में से पैंतीस उम्मीदवारों को जीत हासिल हुई। दूसरी ओर, 2012 से देहरादून में असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को संगठित करना शुरू किया। ग्राम्य जीवन को अर्थवान और आकर्षक बनाने के साथ पुरानी उपयोगी परंपराओं को जीवित और फिर से परिभाषित करने हेतु चेतना आंदोलन ने 'घसियारी उत्सव' की शुरुआत की। टिहरी जिले के घणसाली ब्लॉक के गांवों में आयोजित इस उत्सव में श्रेष्ठ घसियारियों को 'बेस्ट इकोलॉजिस्ट' घोषित कर उन्हें नकद धनराशि के साथ चांदी के मुकुट पहनाए जाते हैं। इन सब में त्रेपन सिंह चौहान का योगदान तो था ही, उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों की 'बालगंगा हाइड्रो इलेक्ट्रिक कंपनी' भी बनाई, जिसमें एक मेगावाट बिजली बनाने की योजना थी। सामाजिक आंदोलन के साथ त्रेपन सिंह ने लेखन भी जारी रखा। उत्तराखंड की स्थितियों पर केंद्रित उनके दो उपन्यास यमुना और हे ब्वारी बेहद चर्चित रहे। जहां भी अधिकारों की लड़ाई होती, त्रेपन वहां जरूर पहुंचते। सौभाग्य से उसकी तरह के कुछ साथी पहाड़ों में थे। लेकिन अंततः वह मोटर न्यूरॉन जैसी दुर्लभ बीमारी की चपेट में आ गया, जो मशहूर वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग को थी। फिर भी विज्ञान और समाज ने हॉकिंग को 76 साल का जीवन दिया।

हिमालय को नुकसान पहुंचा रही चार धाम परियोजनाए घनघोर लापरवाही

रामचंद्र गुहा

हिमालय भारत की सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संपत्ति है। इसके बिना यह देश नहीं बचेगा। इसके विशाल पहाड़ आक्रमणकारियों को रोकते हैंए हमारी महान नदियों के स्रोत हैंए जैव विविधता का समृद्ध भंडार और हमारे पवित्रतम मंदिरों का घर हैं। पारिस्थितिकीए आर्थिकए सांस्कृतिक और रणनीतिक रूप से हिमालय एक राष्ट्र के रूप में भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। हिमालय का सम्मान करने के दावे के साथ शासन करने वाले राजनीतिकों की नाक के नीचे ये पहाड़ उन पर हो रहे हमले के गवाह बन रहे हैं। यह हमला गलत तरीके से अपनाए जा रहे प्रोजेक्ट चार धाम परियोजना के रूप में हो रहा है। 12ए000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से तैयार हो रही इस योजना का लक्ष्य चार पवित्र धामों यमुनोत्रीए गंगोत्रीए केदारनाथ तथा बदरीनाथ तक शीघ्र पहुंच के लिए 900 किलोमीटर लंबी सड़कों का चौड़ीकरण है। इस योजना पर घनघोर लापरवाही के साथ अमल हो रहा है और इसमें पर्यावरण तथा मानव सुरक्षा की जरा भी चिंता शामिल नहीं है। लोगों के विरोध के बाद सुप्रीम कोर्ट को विशेषज्ञों की एक समिति का गठन करना पड़ा हैए जिसने हाल ही में इस परियोजना के कारण अब तक हो चुके नुकसान को लेकर आठ सौ पेज की रिपोर्ट प्रस्तुत की है। इस रिपोर्ट को पढ़ना रोंगटे खड़े कर देने वाले अनुभव से गुजरना है। लेकिन सबसे पहले हमें खुद को हिमालय से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों का स्मरण कराना चाहिए। हालांकि इन्हें देखना अद्भुत लगता हैए लेकिन पारिस्थितिकी के लिहाज से ये पहाड़ अत्यंत नाजुक हैं और खासतौर से इन्हें भूकंप तथा बाढ़ का खतरा है। इसके बावजूद एक के बाद एक आने वाली सरकार ने हिमालय तथा उसके लोगों पर चार तरह से हमले किए हैं। वाणिज्यिक वानिकीए ओपन कास्ट माइनिंगए बड़ी पनबिजली परियोजनाओं को बढ़ावा तथा अनियंत्रित पर्यटन ने मिलकर भारी पैमाने पर जहरीले कचरे के संचयए वायु प्रदूषण में बढ़ोतरीए वनों तथा जैवविविधता में कमीए जल स्रोतों का क्षरण किया है और भूस्खलन तथा बाढ़ में वृद्धि की है। और अब इस भारी. भरकम सड़क निर्माण परियोजना के रूप में पांचवां हमला किया जा रहा हैए जिससे पहले ही बर्बाद हो चुके इस भूभाग को और नुकसान हो सकता है। अमूमन चार धाम जैसी विशाल परियोजना के लिए प्रोजेक्ट शुरू करने से पहले ही पर्यावरणीय प्रभाव आकलन यईआईएद्ध संबंधी विस्तृत रिपोर्ट देना अनिवार्य होता है। यहां यह जिम्मेदारी क्रूर हाथों में थी। चूंकि सौ किलोमीटर से अधिक लंबी सड़क परियोजना के लिए विस्तृत ईआईए जरूरी होती हैय इसलिए 880 किलोमीटर की एकीकृत परियोजना को कागज पर छोटे छोटे अनेक टुकड़ों में इस तरह बांट दिया गयाए ताकि किसी भी खंड के लिए ईआईए की जरूरत न पड़े। इस परियोजना की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबरए 2016 के आखिरी हफ्ते में रखी थी। उसके बाद से इसकी वजह से हुए नुकसान की झलक सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष डॉण् रवि चोपड़ा द्वारा तैयार रिपोर्ट में दिखती हैः श्हमारा सामना कई भूस्खलन से हुआ और नुकसान को कम करतीं। जैसा कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट कहती हैः श्पहाड़ी की कटाई की लंबाई और चौड़ाई के अनुसार पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जितना अधिक मलबा निकाला जाएगाए कटाई भी उतनी गहरी होगी।श् उल्लेखनीय है कि इन मार्गों में 60 या 70 डिग्री को झुकी ढलानें हैं और इनकी वजह से पहले ही जंगल का क्षरण हो रहा है। चार धाम परियोजना के एक हिस्से में समिति ने पाया कि 174 ताजा कटी ढलानों में से 102 में भूस्खलन के अनुकूल हो गई हैं। हर जगह अचानक खत्म होने वाली ढलानें आम हैं। उल्लेखनीय है कि मई से सितंबर के दौरान ही कुछ ट्रैफिक बढ़ जाता है। हमारी गाड़ियां अक्सर जाम में फंस जाती थीं। मलबे सीधे जंगलोंए नदी के तल और जलस्रोतों में जा रहे थे। पहले ही हजारों पेड़ गिर चुके हैं और अप्रत्याशित ढलानों के ध्वस्त होने से और अधिक पेड़ गिरेंगे। कमजोर सुरक्षात्मक ऊंची दीवारों को सीधी ढलान पर उनकी नियति पर छोड़ दिया गया है। रात ठहरने पर सड़क के काम से सीधे प्रभावित होने वाले लोगों ने हमसे मुलाकात की और अपनी तकलीफें तथा सुझाव बताए।इस तबाही का कारण है पहाड़ों के अनुकूल बनी मौजूदा सड़कों के नेटवर्क को 12 मीटर चौड़े हाई.वे में बदलनाए जो कि मैदानी इलाकों के अनुकूल होते हैं। वैज्ञानिक विशेषज्ञों ने सलाह दी थी कि कमजोर पहाड़ियों में 5ण्5 मीटर चौड़ी सड़कें कारगर होंगीय इन विशेषज्ञों को अनसुना कर दिया गया। कम चौड़ी सड़कें परिवहन को नियंत्रित करतीं और पर्यावरण तथा सामाजिक

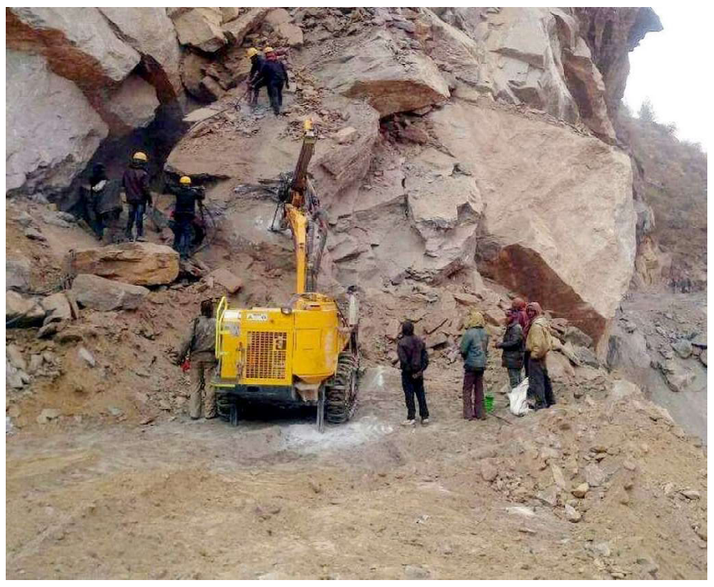

खुद को बर्बाद करने पर तुली कांग्रेस

सुरेंद्र कुमार

हालांकि इसका मतलब बगावत नहीं था, बल्कि यह 23 पार्टी नेताओं की बूढ़ी और मरणासन्न 135 साल पुरानी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को पुनर्जीवित करने की रणनीति तथा वास्तविक आत्मनिरीक्षण की कोशिश थी। जैसा कि कभी कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा का चुनाव जीत चुके एम.जे. अकबर ने कहा, 'उनका पत्र टकराव के बजाय स्पष्टता और बगावत के बजाय पुनरुद्धार की मांग करता है।' फिर भी उन्हें गद्दार और जयचंद कहा जा रहा है। भरोसा खो चुके नेतृत्व से भला कोई क्या उम्मीद कर सकता है? यह शुतुर्मुर्गी रवैया कई वर्षों से चल रहा है और अब तो वह खुद की मौत मरती दिख रही है। ईश्वर उसी की मदद करता है, जो खुद की मदद करता है। कांग्रेस के मामले में यहां तक कि भगवान भी मदद करने में संकोच करेंगे। पत्र लिखने वाले नेता चंद्रशेखर, मोहन धारिया और कृष्ण कांत की तरह युवा तुर्क नहीं हैं, जो इंदिरा गांधी जैसे पराक्रमी नेता को चुनौती देने का साहस कर सकते थे। उनमें से ज्यादातर वरिष्ठ नागरिक हैं, तो कुछ युवा नेता हैं, जो कांग्रेस के मूल दर्शन में विश्वास करते हैं। लेकिन वे बहुत चिंतित और निराश हैं कि मोदी की अभूतपूर्व लोकप्रियता तथा बेजोड़ वक्तृत्व कौशल के साथ जनता के साथ जुड़ने व संवाद करने की क्षमता के आगे उनकी सौ साल से ज्यादा पुरानी पार्टी का राज्य दर राज्य से सफाया होता जा रहा है। इसके अलावा, सत्तारूढ़ भाजपा के पास अमित शाह की निर्मम संगठनात्मक मशीनरी, जमीन पर आरएसएस के अनुशासित और प्रतिबद्ध कैडर, युवा, बुद्धिमान, प्रेरक और तकनीक प्रेमी पार्टी के पदाधिकारियों की एक फौज और लोगों का समर्थन हासिल करने के लिए अकूत धन है, जहां कुछ और काम नहीं करता है। वर्ष 2019 में कांग्रेस का वोट शेयर 19.5 फीसदी तक गिर गया, कार्यकर्ताओं का उत्साह खत्म हो गया और उसके लड़ने की इच्छाशक्ति खो गई। पार्टी के नेता उन लोगों की नब्ज भांपने में नाकाम रहे, जिनकी नजर में भविष्य के लिए, कांग्रेस भाजपा का एक विश्वसनीय विकल्प नहीं है। इन नेताओं की चिट्ठी अपने सोते हुए शीर्ष नेतृत्व को जगाने के लिहाज से बहुत बेहतर थी, और अस्तित्वगत संकटों से अवगत कराती थी, जिसका सामना पार्टी कर रही है और आगे की विशाल चुनौतियों का एहसास कराती थी। शीर्ष पर नेतृत्व के संकट को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। एक वैकल्पिक, विश्वसनीय और उल्लेखनीय दृष्टि के साथ सक्षम, प्रभावी, ऊर्जावान और प्रेरणादायक नेतृत्व के बिना, जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़े दुश्मन खेमे से चौबीसों घंटे लड़ने के लिए तैयार रहे बिना कांग्रेस पास कोई मौका नहीं है।और जब पिछले छह वर्षों के चुनावी नतीजे बताते हैं कि शीर्ष नेतृत्व ने अपना काम नहीं किया है, तो विधिवत एक सामूहिक नेतृत्व चुने जाने की आवश्यकता है, जो सांगठनिक चुनाव कराकर देश भर में कार्यकर्ताओं को पुनर्जीवित, तरोताजा और फिर से संगठित कर सके। यह उन नेताओं द्वारा किया गया समझदार और ईमानदार प्रयास है, जिन्होंने पार्टी की सेवा में अपना जीवन बिताया है। यह कुछ लालची और सत्ता के भूखे विद्रोहियों का तख्तापलट नहीं है। पुराने, चाटुकार, पिछलग्गू के दबाव में उनका कद घटाना, हाशिये पर डालना और उनकी अनदेखी करना राजनीतिक हाराकिरी है। पचास वर्षीय राहुल गांधी के अब तक के राजनीतिक कार्यकलाप ने यह साबित किया है कि वह नरेंद्र मोदी को परास्त करने में अक्षम हैं। सोनिया गांधी का खराब स्वास्थ्य उन्हें समय पर कदम उठाने से रोकता है। इसी वजह से गोवा में जब उनकी पार्टी ने ज्यादा सीटें जीतीं, तब भी कांग्रेस वहां सरकार नहीं बना सकी। और यदि मध्य प्रदेश में सरकार बनी भी, तो खत्म हो गई; और एक महीने के लंबे रहस्य और सार्वजनिक छीछालेदर के बाद राजस्थान की सरकार किसी तरह बच सकी। राहुल ने भले ही अध्यक्ष पद स्वीकार नहीं किया है, लेकिन वह अब भी फैसले लेते हैं। वाड्रा होने के कारण प्रियंका मोदी का मुकाबला नहीं कर सकती हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि एक भी कांग्रेसी नेता मोदी की बराबरी नहीं करता है।लेकिन कांग्रेस के पास अब भी भारी प्रतिभा, प्रशासनिक अनुभव और कई राज्यों में वास्तविक जनाधार है, जिसे अगर नव निर्वाचित नेतृत्व द्वारा सफल होने की महात्वाकांक्षा के साथ ध्यान केंद्रित करके दोहन किया जाता है, तो वह भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है। कांग्रेस का पुनरुद्धार और एक मजबूत विपक्ष के रूप में उभरना भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छा होगा। कपिल सिब्बल एक जुझारू वकील हैं, जो तर्क में सत्ता पक्ष के किसी भी नेता को आड़े हाथों ले सकते हैं। मनीष तिवारी भी सफल वकील हैं और हिंदी व अंग्रेजी बोलने वाले प्रभावी प्रवक्ता हैं। राजीव गांधी के समय में युवा नेता रहे आनंद शर्मा एक प्रभावी संचालक और सक्षम प्रशासक हैं। 19 पुस्तकों के प्रणेता शशि थरूर की अंग्रेजी पर गहरी पकड़ है, वे आत्मविश्वासी वक्ता और बहसकर्ता हैं तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी प्रशंसा होती है। वह मीडिया के भी प्रिय हैं और किसी भी पार्टी के ताज के लिए गहना हो सकते हैं। दूसरे पूर्व युवा नेता गुलाम नबी आजाद तीन के प्रति निष्ठावान रहे हैं। ऐसे प्रतिष्ठित पार्टी खुद का नुकसान करेगी। लगतगांधी परिवार कह रहा है कि इस धरती पर कौन है, जो हमें अपनी पार्टी को खत्म करने से रोक सकता है।

भारतीय जनता पार्टी के नेता की मार्ग दुर्घटना में हुई मृत्यु

द अचीवर टाइम्स संवादाता कुशीनगर दुःखद सूचना. .नही रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय प्रकाश दीक्षित भाजपा पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय प्रकाश दीक्षित की मार्ग दुर्घटना में मृत्यु हो गई है।मिली जानकारी के अनुसार आज शनिवार को लगभग 2 बजे सोहरौन ग्राम के सामने बोलेरो वाहन ने बाइक से जा रहे विजय प्रकाश दीक्षित को ठोकर मार दिया है। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना के मुताबिक पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम हाउस भेज दिया है।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया

कोंच(जालौन) कोबिड 19 के चलते इस बर्ष 5 सितंबर को विद्यालयों में विद्यार्थियों की अनुपस्थिति में महान शिक्षाविद डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया।गल्ला मंडी परिसर में स्थित सरस्वती बालिका विद्या मंदिर,शिशु मंदिर व शिशु वाटिका में सोशल डिस्टेंस के बीच आयोजित सादे कार्यक्रम में प्रधानाचार्या माधुरी पहारिया ने डॉ राधाकृष्णन व माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किये और डॉ राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला।प्रवक्ता बृजेन्द्र यादव व लिपिक विवेक तिवारी ने उपस्थित शिक्षकों का तिलक कर उन्हें कलम–डायरी भेंट की।कार्यक्रम में नीरज दुबे, अशोक शर्मा, नरेन्द्र सिंह, बृजेन्द्र सिंह, वेदप्रकाश निरंजन, पंकजाचरण वाजपेयी, मनीष अग्रवाल, राजीव राठौर, मनोज दुबे, धीरेन्द्र सिंह, हरिकिशोर, आनन्द भारद्वाज, कुलदीप अग्रवाल, शैलेन्द्र यादव,दिनेश, अरविंद पटेरिया, भोलानाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार पांचाल, सरला मिश्रा, सरोज खरे, नीतू गर्ग, प्रभा गर्ग, प्रतीक्षा रेजा, अंजना, रामकुमार, विनय झां आदि मौजूद रहे।वहीं नाथूराम पुरोहित बालिका विद्यालय में प्रधानाचार्या प्रेमा मिश्रा की अध्यक्षता में डॉ राधाकृष्णन का जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया।स्टाफ सदस्यों ने डॉ राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया और उनके जीवन पर प्रकाश डाला।इस दौरान गीता श्रीवास्तव, विनीता सिरौठिया, मधु सिंह, संगीता, संजू यादव, रेखा शर्मा, देवेन्द्र कुमार, मुनीश चतुर्वेदी, नीरज कुमार, रेखा, संजीव कुमार, मुहम्मद वसीम आदि मौजूद रहे।सरस्वती विद्या मंदिर मंडी परिसर में प्रधानाचार्य शिवकरण यादव, अमरचन्द महेश्वरी विद्यालय में प्रधानाचार्य ओमप्रकाश, कमला नेहरू बालिका विद्यालय में प्रधानाचार्य कुन्ती निरंजन, सेठ व्रन्दावन विद्यालय में प्रधानाचार्य बृजबल्लभ सिंह सेंगर, एसआरपी विद्यालय में प्रधानाचार्य रमेश चंद्र पांडेय, एसटीके बालिका विद्यालय में प्रधानाचार्य नीलेश सिंह की अध्यक्षता में शिक्षक दिवस मनाया गया।वहीं मथुराप्रसाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शहीद महेन्द्र सुरेन्द्र दयाशंकर मेमोरियल महाविद्यालय तीतरा खलीलपुर, सूरजज्ञान महाविद्यालय, अशोक शुक्ला महिला महाविद्यालय, सेठ बद्रीप्रसाद महाविद्यालय,एनएस अकादमी पब्लिक स्कूल, एसएसबी साइंस अकादमी, सुरजज्ञान मॉडर्न पब्लिक स्कूल में भी कार्यक्रम आयोजित किये गये।

पुलिस ने की शांति भंग की कार्यवाही

कोंच (जालौन):नगर के मारकंडेश्वर तिराहे पर शनिवार को राहगीरों के साथ गाली गलौज कर झगड़ा कर रहे पंकज पटेल पुत्र स्व रामबाबू निवासी मुहल्ला गांधीनगर को मंडी चौकी प्रभारी अशोक कुमार सिंह ने मौके पर जाकर पकड़ लिया और उसे शांति भंग में निरुद्ध कर दिया।

रास्ते से निकलने को लेकर विवाद में दबंगों ने दंपत्ति के साथ मारपीट कर दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जालौन कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अलाईपुरा निवासी प्रेमकुंवर पत्नी नरसिंह ने पुलिस को बताया कि उनके पड़ोसी जसवंत उसे आम रास्ते से निकलने से रोकते हैं। शुक्रवार की शाम वह आम रास्ते से होकर गांव में जा रही थी। तभी जसवंत की पत्नी मुन्नी देवी उसे रास्ते से निकलने से रोकने लगी। जब उसने बताया कि वह आम रास्ते से निकल रही है तो उन्हें क्यों दिक्कत है यदि यहां से वह नहीं निकलेगी तो कहां से निकलेगी। पीड़िता का आरोप है कि उक्त बात से नाराज मुन्नी देवी ने अपने पति जसवंत व बेटे जुझार सिंह को बुला लिया और उसके साथ गाली, गलौज करने लगी। मना करने पर तीनों ने मिलकर मारपीट शुरू कर दी। शोरगुल सुनकर जब पति बचाने आए तो उनके साथ भी मारपीट कर दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

प्राइवेट क्लीनिकों पर एसडीएम ने छापा मारा कमियां मिलने पर कार्यवाही के आदेश। सीएचसी का निरीक्षण कर परखी व्यवस्थाए।

शनिवार को एसडीएम जयेंद्र सिंह ने चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर अशोक कुमार के साथ अचानक नगर के प्राइवेट क्लीनिकों व मेडिकल स्टोरों में छापा मारा जिससे क्लीनिकों व मेडिकल स्टोर संचालको में हड़कम्प मच गया एसडीएम ने सबसे पहले बस स्टैंड में स्थित दो प्राइवेट क्लिनिक में पहुच कर संचालको से इलाज किए गए मरीजो की सूची मांगी और साफ सफाई देखी मरीजो की सूची उपलब्ध न होने एंव गन्दगी मिलने पर संचालको को कड़ी फटकार लगा कर चिकित्सा अधीक्षक को कार्यवाही करने का आदेश दिया उन्होंने हमीरपुर चतेला तिराहे के समीप स्थित एक प्राइवेट क्लिनिक व मेडिकल स्टोर में छापा मारा । लेकिन एसडीएम के आने की भनक लगते ही क्लिनिक संचालक व मेडिकल संचालक भाग गए जिस पर उन्होंने वहां मौजूद अन्य कर्मियों से क्लिनिक संचालक का नाम पूछा और रजिस्ट्रेशन दिखाने के लिए कहा सन्तोष जनक उत्तर न मिलने पर उन्होंने कर्मियों को कड़ी फटकार लगाते हुए सोशल डिस्टेंसिंग का उलंघन करने पर आधा दर्जन लोगों के चालान काट कर जुर्माना वसूला वही क्लिनिक के बाहर बड़ी मात्रा में कचरे में इस्तेमाल की हुई सिरिंज मिलने पर क्लिनिक संचालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने का आदेश थानाध्यक्ष को दिया । इसके बाद उन्होंने सीएचसी का निरीक्षण किया उन्होंने लेबर रूम,ऑपरेशन थियेटर, दवा कक्ष उपस्थिति रजिस्टर सहित कोविड19 की जांच केंद्र के संदर्भ में चिकित्सा अधीक्षक से बात की । जिस पर चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि कोविड 19 को देखते हुए सीएचसी में मरीजो की संख्या कम हुई ह

आरोपित व्यापारी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।

जालौन मटर व्यापारी बन कर आये आये कानपुर के व्यापारी ने धोखाधड़ी करके मटर खरीद ली तथा मटर का 10 लाख 7 हजार 650 रूपए भुगतान नहीं दे रहे हैं। पीड़ित व्यापारी ने कोतवाली पहुंचकरकोतवाली क्षेत्र के दवगरान निवासी मुईनुद्दीन पुत्र मुवीन ने पुलिस से शिकायत की है कि कल्याणपुर निवासी राजीव यादव पुत्र ओमप्रकाश अपने मुनीम सुनील कुमार के साथ 28 जनवरी 20 को आये तथा 30 जनवरी 20 से 6 फरवरी 20 तक उनकी फर्म के जी एन फ्रूट कम्पनी के रजिस्ट्रेशन पर हरी मटर का काम किया तथा 483.13 कुंतल हरी मटर खरीद कर बाहर बेच दी। मटर के 1943976 भुगतान में से उन्होंने 936326 रूपए दे दिए तथा शेष रहे 1007650 रूपए नहीं दिये जब ज्यादा कहा तो उन्होंने 10 लाख की चेक दे दी जो बांउस हो गई है। व्यापार राजीव यादव व उनके मुनीम सुनील कुमार तथा उनकी कम्पनी मैं शिवा ट्रेडिंग कम्पनी नगर मोहाली पंजाब के खिलाफ कार्रवाई कर पैसा दिलाये जाने की मांग की है।

कोतवाली पुलिस ने चैकिंग कर बिना मास्क लगाए लोगों और बिना हैलमेट लगाए दोपहिया चालकों से जुर्माना वसूला

जालौन। कोतवाली प्रभारी रमेशचंद्र मिश्र के नेतृत्व में एसआई गंगासागर व रामनरेश ने देवनगर चैराहे पर चैकिंग अभियान चलाया। इस दौरान बिना मास्क लगाए लोगों एवं बिना हैलमेट लगाए वाहन चलाने वाले दोपहिया वाहन चालकों से जुर्माना वसूला। इस दौरान डेढ़ दर्जन लोगों पर कार्रवाई की गई। जिनसे पुलिस ने 3100 रुपये जुर्माना वसूला है। उन्हें सख्त हिदायत दी गई कि कोविड–19 को लेकर प्रदेश सरकार की गाइडलाईन के अनुसार घर से बाहर निकलने पर मास्क का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। साथ ही सुरक्षा के लिए दोपहिया वाहन चालक हैलमेट अनिवार्य रूप से लगाएं। अन्यथा उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

रंजिश के चलते दबंग द्वारा पत्नी के साथ गाली, गलौज

जालौन कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला सहावनाका निवासी रामफल ने पुलिस को बताया कि मोहल्ला दलालपुरा निवासी ऊते उससे रंजिश मानता है। शनिवार की सुबह वह काम के लिए घर से बाहर निकल गया। घर पर पत्नी गुड्डी देवी अकेली थी। तभी रामफल उसके घर आया और घर के बाहर खड़े होकर गाली, गलौज करने लगा। पत्नी ने बाहर आकर जब उसे गाली देने से मना किया तो उसने पत्नी के साथ मारपीट कर दी। जिससे उसे चोटें आई हैं। पीड़िता के पति की तहरीर पर पुलिस ने पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण कराकर आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। व मारपीट करने की शिकायत पीड़िता के पति ने कोतवाली में तहरीर देकर की है। पति की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज किया।

पारिवारिक विवाद के चलते पुत्र के बेटों ने मिलकर वृद्ध बाबा के साथ मारपीट कर दी।

जालौन कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सींगपुरा निवासी वृद्ध डल्ले ने पुलिस को बताया कि उनके परिवार के लोग उसके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते हैं। परिवार के लोग अक्सर उसके साथ गाली, गलौज करते रहते हैं। शनिवार की सुबह उनके नाती अरविंद व शेषपाल पारिवारिक विवाद के चलते उसके साथ गाली, गलौज कर रहे थे। जब उसने गाली देने से मना किया तो उन्होंने लाठी, डंडों से मारपीट कर दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

समाचार–पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।

शासनादेश को ठेंगा दिखा कर कानाखेड़ा विद्यालय परिषद पर निर्माणाधीन सामुदायिक शौचालय

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नही देते जबाव, फोन काटने मे माहिर

कालपी (जालौन)। तहसील मुख्यालय के विकास खण्ड कदौरा के प्राथमिक विद्यालय कानाखेड़ा की बाऊन्ड्री बाल के अन्दर निर्माणाधीन सामुदायिक शौचालय विभागीय शासनादेशों को ठेंगा देखा रहा है वही अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के पठन–पाठन मे रोड़ा साबित होगा। जबकि सरकार के आदेशानुसार अध्ययनरत छात्रों व विद्यालय शिक्षक स्टाफ को मद्देनजर रखते हुये पूर्व से ही शौचालय निर्माण हो चुका है जिसका प्रयोग भी किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार तहसील कालपी के ब्लाक कदौरा के कानाखेड़ा प्राथमिक विद्यायल के परिषद मे बाऊन्ड्री बाल के अन्दर पंचायत विभाग से सामुदायिक शौचालय का निर्माण कार्य कराया जा रहा है जो शासनादेश के विपरीत है। जिसकी शिकायत ग्रमीणो द्वारा

जिले के उच्चाधिकारियों से की गई है। तथा अपर मुख्य सचिव रेणुका कुमार को भी शिकायत की प्रति प्रेषित करने की बात ग्रमीणों ने कही है। अपर मुख्य सचिव रेणुका कुमार द्वारा भेजे अगस्त 2020 जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को लिखित पत्र मे स्पष्ट किया है कि परिषदीय विद्यालयों में सामुदायिक शौचालयों का निर्माण न कराने जाने के निर्देश दिये है जिसमे कहा है कि परिषदीय विद्यालयों मे सामुदायिक शौचालय निर्माण भी कराया जा रहा है जो कि अत्यंत आपत्ति जनक है विद्यालय परिषद मे मात्र छात्र/छात्राओं एवं स्टाफ के लिये ही शौचालय निर्माण किया जा सकता है संपूर्ण ग्राम के प्रयोग के लिये बन रहे ऐसे सार्वजनिक शौचालयों से विद्यालय के परिषदों मे अध्ययनरत छात्रों एवं शिक्षकों को असुविधा होगी एवं विद्यालय बंद होने पर ग्रामीण ऐसे सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग भी नही कर सकेगें। इसके अतिरिक्त संबंधित विद्यालय मे अनुशासन उपस्थित छात्र/छात्राओं की सुरक्षा , स्वास्थ्य एवं विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। आदि का हवाला देते हुये किसी भी सूरत पर सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य परषदीय विद्यालय परिषद पर न होने के आदेश दिये है लेकिन जनपद जालौन का बेसिक शिक्षा विभाग ऐसे शासनादेशों व निर्देशों को रद्दी की टोकरी मे डाल कर ठेंगा देखाते है। जब इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रेमचंद्र यादव से दूरभाष के माध्यम से वार्ता करनी चाही तो उन्होनें फोन उठाने के बजाय फोन काट दिया।

खण्ड शिक्षा अधिकारी कदौरा आनंद भूषण से फोन द्वारा वार्ता हुई तो उनका कहना है कि जानकरी मिलते ही निर्माण कार्य बंद करा कर विभागीय उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया है। फोटो परिचय ं विद्यालय परिषद पर निर्मणाधीन सामुदायिक शौचालय

दिल्ली एनडीए की परीक्षा के लिए केंद्रों पर पहुंचे छात्र, सभी दिशा निर्देशों का किया गया पालन

नई दिल्ली कोरोना महामारी और तमाम विरोधाभासी आवाजों के बावजूद भी देश में प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन का फैसला लिया गया है। तमाम सावधानियों और नियमों के बीच परीक्षाएं करवाई जा रही हैं। सेंटरों पर कोरोना के दिशा निर्देशों के मुताबिक इस बार कई तरह के नए नियमों का पालन किया

जा रहा है। दिल्ली में भी हजारों की संख्या में परीक्षार्थी परीक्षा केंद्रों पर पहुंच रहे हैं। आइए देखते हैं राजधानी में कहां कैसी व्यवस्थाओं के बीच हो रही है परीक्षा– लोधी स्टेट इलाके में एनडीए की परीक्षा देने पहुंचे छात्र दिल्ली के लोधी स्टेट इलाके में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। यहां सुबह सवेरे ही कई परीक्षार्थी केंद्र पर पहुंच गए। केंद्र पर सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों और सैनिटाइजेशन की व्यवस्था का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। दिल्ली के आरके पुरम सेक्टर–2 में भी एनडीए की परीक्षा का केंद्र दिया गया है। यहां भी सुबह से ही छात्र पहुंचने लगे। उन्होंने कोरोना से बचाव के लिए जारी किए गए सभी दिशा निर्देशों का पालन किया।

डेंगू के खिलाफ दिल्ली सरकार का 10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट अभियान आज से

नई दिल्ली राजधानी में मच्छर जनित बीमारी की रोकथाम के लिए दिल्ली सरकार आज से 10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट अभियान शुरू करेगी। यह अभियान प्रत्येक रविवार को चलेगा।

अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने निवास स्थान से सुबह 10 बजे करेंगे। केजरीवाल ने कहा कि सरकार इस अभियान के जरिये दिल्ली को डेंगू और चिकनगुनिया से मुक्त करना चाहती है।

उन्होंने जनता से इस अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लेने की अपील की।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि बीते वर्ष भी यह अभियान चलाकर सरकार डेंगू को हराने में सफल रही थी। बता दें कि दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने डेंगू और चिकनगुनिया एंटीजन टेस्ट के लिए एलिसा तकनीक को अपनाया है। इससे यह पता चल सकेगा कि कितने लोगों को डेंगू और मलेरिया के खिलाफ एंटीबॉडी बनी। यानी, वह बीमार हुए और स्वस्थ भी हो गए, जिनका उन्हें पता भी नहीं चला।

दक्षिणी निगम के एक अधिकारी के अनुसार, एलिसा टेस्ट उन लोगों का किया जाएगा जो निगम की डिस्पेंसरी या अस्पताल में हल्के बुखार के लक्षण के साथ पहुंचेंगे। इस प्रक्रिया में मरीज का ब्लड सैंपल लिया जाएगा, जिसकी रिपोर्ट छह घंटे के भीतर आ जाएगी। इसके लिए निगम ने एक निजी कंपनी को जिम्मेदारी दी है।

वहीं, प्रति टेस्ट के लिए शुल्क निर्धारित किया गया है। हालांकि, लोगों की सुविधा को देखते हुए मरीजों से कोई भी शुल्क नहीं लिया जाएगा बल्कि टेस्ट के खर्च का वहन खुद निगम करेगा। डेंगू के लिए 248 रुपये, डेंगू एंटीजन के लिए 239 रुपये, प्लेटलेट्स काउंट के लिए 44 और चिकनगुनिया के लिए 285 रुपये का टेस्ट किया जाएगा।

लाजपत नगर कॉलोनी अस्पताल, पॉलीक्लीनिक बदरपुर, कालकाजी अस्पताल, पॉलीक्लीनिक कम मैटरनिटी होम, पॉलीक्लीनिक साउथ जोन, पॉलीक्लीनिक फतेहपुर बेरी, महरौली पॉलीक्लीनिक, पॉलीक्लीनिक मस्जिद मोठ, पॉलीक्लीनिक मुनिरका, स्कूल हेल्थ स्कीम नजफगढ़, पॉलीक्लीनिक घुम्मनहेड़ा, चेस्ट क्लीनिक कम डिस्पेंसरी बिजवासन, तिलक नगर अस्पताल और महाराजा अग्रसेन पॉलीक्लीनिक उतम नगर।

दिल्ली: एक माह में बढ़े 53 फीसदी सक्रिय मरीज, ठीक होने वाले रोगियों की संख्या में कमी

नई दिल्ली राजधानी में एक माह में ही कोरोना संक्रमण के 53 फीसदी सक्रिय मरीज बढ़ गए हैं। अगस्त के पहले सप्ताह एक्टिव मरीज 10 हजार से कम हो गए थे, जो अब करीब 19 हजार हो गए हैं। संक्रमितों के मुकाबले ठीक होने वाले रोगियों की संख्या लगातार कम हो रही है। इससे सक्रिय मामले बढ़ते जा रहे हैं। दिल्ली में इस समय कोरोना के दैनिक मामलों की संख्या औसतन 2000 से ज्यादा है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, चार अगस्त को सक्रिय मरीजों की संख्या 9897 थी, जो अब 18842 हो गई है। लिहाजा, एक माह में 53 फीसदी एक्टव मामले बढ़ गए हैं। 15 जून से 4 अगस्त तक सक्रिय मरीजों की संख्या लगातार कम हुई थी। 15 जून को संक्रमण के 25 हजार सक्रिय मरीज थे, जो अगस्त के पहले सप्ताह में 10 हजार से कम हो गए थे, लेकिन दूसरा सप्ताह शुरू होते ही संक्रमित फिर बढ़ने लगे हैं। एम्स के पूर्व डॉक्टर पीके सिंघल बताते हैं कि लोगों के ठीक होने की दर में कोई खास कमी नहीं आई है, लेकिन जांच बढ़ने से अब संक्रमितों की संख्या पहले की तुलना में बढ़ गई है। इस कारण स्वस्थ होने वाले मरीजों का आंकड़ा पॉजिटिव मामलों के मुकाबले कम हो रहा है। अभी कुछ दिन तक सक्रिय मरीजों की संख्या में और भी बढ़ोतरी हो सकती है। उसके बाद ये मामले कम होने लगेंगे।

दिल्ली: आज से लोगों के लिए खुल जाएगी निजामुद्दीन दरगाह, कोरोना से बचाव के लिए किए हैं कई जतन

नई दिल्ली निजामुद्दीन दरगाह रविवार सुबह 4 बजे से आम लोगों के लिए खुल जाएगी। दरगाह के अंदर सामाजिक दूरी के नियम के पालन के लिए निशान बनाए गए हैं। प्रवेश द्वार पर सैनिटाइजेशन मशीन लगाई गई है। निजामुद्दीन दरगाह के प्रमुख सईद अदीब निजामी ने बताया कि सरकार की गाइडलाइन के अनुसार ही दरगाह के अंदर कोविड–19 से सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। सोशल डिस्टेंसिंग का

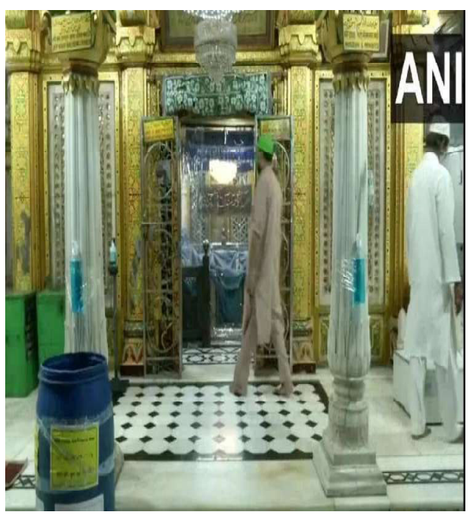

पालन कराने के लिए जगह–जगह पर 4 फीट की दूरी पर निशान लगाए गए हैं। दरगाह में आने वाले हर व्यक्ति को मास्क लगाना अनिवार्य होगा। मुख्य द्वार पर थर्मल स्क्रीनिंग की व्यवस्था की गई है। दरगाह में 10 वर्ष से कम और 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही मजार को छूने, फूल, चादर व अगरबत्ती चढ़ाने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

समाचार–पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत रिया का भाई शौविक पहुंचा हिरासत में, जानें क्या है यह कानून

नई दिल्ली बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मामले में ड्रग्स का एंगल सामने आने के बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने जांच तेज कर दी है। ब्यूरो ने रिया, उनके भाई शौविक चक्रवर्ती और सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा के घर शुक्रवार को तलाशी की। इसके बाद शौविक और मिरांडा को हिरासत में लिया गया और फिर उन्हें नारकोटिक्स ड्रग्स साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। शनिवार को दोनों को अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें नौ सितंबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। ऐसे में आज हम आपको बताते हैं कि ये अधिनियम क्या है और इसके तहत क्या सजा दी जाती है। भारतीय संसद ने 1985 में एनडीपीएस एक्ट पारित किया था।

नारकोटिक्स का मतलब नींद और साइकोट्रोपिक वे पदार्थ होते हैं जो मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को प्रभावित कर देते हैं। कुछ ड्रग्स और पदार्थ ऐसे होते हैं जिनका उत्पादन और बिक्री जरूरी है लेकिन उनका अनियमित उत्पादन या बिक्री नहीं की जा सकती है। इसपर सरकार के कड़े प्रतिबंध और विनियमन लगाए हुए हैं क्योंकि इनका अत्यधिक मात्रा में उपयोग नशे के लिए होता है। जो मानव समाज के लिए खतरनाक हो सकता है। इससे बचाव के लिए ही कड़े नियम बनाए गए हैं। यह भी पढ़ें– सैमुअल ने खोला राज– वह सुशांत के लिए लाकर देता था

ड्रग्स अधिनियम के तहत कौन से ड्रग्स हैं प्रतिबंधित एनडीपीएस अधिनियम में प्रतिबंधित ड्रग्स को लेकर एक अनुसूची दी गई है। इसमें केंद्र सरकार उन ड्रग्स को सम्मलित करती है जिनका नशे में प्रयोग होना मानव जीवन के लिए संकट पैदा कर सकता है। इन ड्रग्स का इस्तेमाल जीवन बचाने वाली दवाई और अन्य स्थानों पर होता है लेकिन इन्हीं को नशे के लिए भी उपयोग किया जाता है। इस कारण इनपर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता लेकिन विनियमन किया जा सकता है।

इन ड्रग्स में कोका प्लांट्स, कैनाबिस, ओपियम पॉपी जैसे पौधे को शामिल किया गया है। मात्रा के आधार पर तय होती है सजा इस अधिनियम के तहत सजा मात्रा के आधार पर तय की गई है। मात्रा को तीन भागों– अल्पमात्रा, वाणिज्यिक और इन दोनों के बीच की मात्रा में बांटा गया है। अल्पमात्रा– इसमें एक साल तक की जेल और 10000 रुपये तक के जुर्माना की सजा दी जा सकती है। अल्प और वाणिजियक मात्रा के बीच की मात्रा– इसमें दस साल तक की सजा और एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। वाणिज्यिक मात्रा– इसमें बीस साल तक की जेल और कम से कम एक लाख रुपये तक के जुर्माने की सजा दी जा सकती है। अधिनियम के तहत मात्रा का निर्धारण समय–समय पर केंद्र द्वारा किया जाता है। इसके तहत भारत के सीमा क्षेत्र के अंदर यदि किसी व्यक्ति के पास एक ग्राम भी ड्रग्स अधिनियम के अधीन बनाए नियम या दिए आदेश के अंतर्गत अनुज्ञप्ति के बगैर मिलती है तो वह दोषी होगा। इस तरह के मामले में उसे अल्पमात्रा का दोषी पाया जाएगा।

अधिनियम के अंतर्गत अनुसूची में डाले गए पदार्थों का निर्माण, विनिर्माण, कृषि, प्रकिया, क्रय, विक्रय, संग्रह, आयात, निर्यात, परिवहन और यहां तक की उपभोग भी प्रतिबंधित किया गया है। इसके उपभोग पर दंड का निर्धारण किया गया है।

एनसीबी दफ्तर के लिए घर से निकलीं रिया, ब्यूरो के चीफ करेंगे पूछताछ

मुंबई सुशांत सिंह राजपूत मामले में ड्रग्स का मामला सामने आने के बाद से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) पूरी तरह से एक्शन में है। शुक्रवार को रिया चक्रवर्ती के भाई शौविक चक्रवर्ती, सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा के घर छापेमारी के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उन्हें शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आज रिया को ब्यूरो के सामने पेश होना है। वहीं सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय भी मामले की जांच में जुटा हुआ है। सुशांत के करीबियों से पूछताछ जारी है। इसके अलावा आज एनसीबी की टीम रिया के घर पहुंची और उन्हें समन दिया गया। अभिनेत्री आज ब्यूरों के सामने पूछताछ के लिए पेश होंगी। यहां पढ़ें मामले से जुड़े अपडेट्स– निर्दोष होने के बावजूद रिया नहीं मांग रही अग्रिम जमानत रिया चक्रवर्ती के वकील सतीश मानशिंदे ने कहा, श्रिया चक्रवर्ती गिरफ्तार होने के लिए तैयार हैं। अगर किसी से प्यार करना अपराध है तो उसे अपने प्यार का परिणाम भुगतना पड़ेगा। निर्दोष होने के बावजूद उन्होंने बिहार पुलिस के साथ–साथ सीबीआई, ईडी और एनसीबी के किसी भी मामले में अग्रिम जमानत के लिए किसी अदालत से संपर्क नहीं किया है।एनसीबी दफ्तर के लिए घर से रवाना हुईं रिया एनसीबी दफ्तर के लिए रिया चक्रवर्ती अपने घर से रवाना हो गई हैं। उन्हें एनसीबी ने समन देकर आज पूछताछ के लिए तलब किया है। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती थोड़ी देर में एनसीबी दफ्तर के लिए निकलेंगी। उनसे सुशांत को ड्रग्स देने को लेकर पूछताछ हो सकती है। उनसे मुंबई एनसीबी के प्रमुख समीर वानखेड़े और केपीएस मल्होत्रा पूछताछ करेंगे। रिया से होगी क्रॉस पूछताछ एनसीबी के उप निदेशक अमित फक्कड़ घवाटे ने कहा, श्रिया चक्रवर्ती आएंगी। उनसे क्रॉस पूछताछ की जाएगी और कुछ नहीं। इसके परिणाम के बारे में आपको सूचित कर दिया जाएगा। दीपेश सावंत और अब्दुल बासित परिहार को एनसीबी के अधिकारी कोर्ट लेकर पहुंचे हैं। सावतं को एनसीबी ने ड्रग्स की खरीद और संचालन में भूमिका को लेकर शनिवार को गिरफ्तार किया था। वहीं परिहार एक ड्रग्स पेडलर है। दीपेश सांवत को कोर्ट में किया जाएगा पेश सुशांत सिंह राजपूत के निजी स्टाफ के सदस्य दीपेश सावंत को एनसीबी

ने शनिवार को गिरफ्तार किया था। एनसीबी दफ्तर से मेडिकल चेकअप के बाद रविवार को उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। समन का सम्मान करेंगी रियारू समीर वानखेड़े एनसीबी के संयुक्त निदेशक समीर वानखेड़े ने कहा, श्हमने उसे (रिया चक्रवर्ती) तलब किया है। वे समन का सम्मान करने के लिए आएंगी। दीपेश और सैमुअल ने पार्टियों को लेकर खोले राज सुशांत के निजी स्टाफ सदस्य दीपेश और हाउस मैनेजर मिरांडा ने एनसीबी को दिवंगत अभिनेता के घर और फार्म हाउस पर होने वाली पार्टियों और उनमें शामिल होने वाले लोगों की जानकारी दी है। उन्होंने बताया है

दुनिया के 70 फीसदी खिलौनों पर चीन का वर्चस्व, भारत की हिस्सेदारी एक फीसदी से भी कम

नई दिल्ली बच्चों के लिए खिलौना बाजार को बढ़ावा देने और विदेशी खिलौनों पर निर्भरता कम करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी मन की बात में देश को खिलौना हब बनाने की बात कही। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत में जो खिलौने बिकते हैं, उसमें 65–75 फीसदी हिस्सेदारी अकेले चीन की होती है। आईबीआईएस

वर्ल्ड की रिपोर्ट की माने तो दुनिया के 70 फीसदी खिलौने चीन के बने होते हैं, इसलिए चीन का भारत ही नहीं बल्कि दुनिया पर दबदबा है। हालांकि भारत की हिस्सेदारी 0.5 है, जो कि बहुत कम है। चीन का वर्चस्व इसलिए ज्यादा है क्योंकि उसने खिलौना निर्माण को बढ़ावा देने के लिए अलग नीति बनाई है। इस नीति के तहत चीन में 14 प्लग इन टॉय सेंटर बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर जाकर कोई भी व्यापारी अपना व्यापार शुरू कर सकता है। हालांकि केंद्र सरकार की ओर से पिछले कुछ सालों में ऐसे कदम उठाए गए हैं, जो खिलौना बनाने वाली कंपनियों के लिए बाधा का काम करते हैं। सरकार ने लकड़ी के खिलौने पर जीएसटी 5.5 फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी और बैटरी या लाइट से चलने वाले खिलौने पर जीएसटी 18 फीसदी कर दिया है। हालांकि खिलौना बाजार को लेकर एक खुशखबरी यह है कि मुकेश अंबानी ने साल 2019 में ब्रिटेन की खिलौना कंपनी हैमलेज को खरीद लिया है, इस कंपनी 18 देशों में 167 स्टोर हैं। भारत में चीन खिलौने के बाजार की बात करें तो भारतीय बाजार के 100 फीसदी में से 25 फीसदी खिलौने स्वदेशी हैं लेकिन 75 फीसदी विदेशी हैं, जिसमें अकेले 70 फीसदी खिलौनो का माल चीन से आता है। जबकि भारत की हिस्सेदारी केवल 0.5 फीसदी है। टॉय एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रवक्ता सुनील नंदा कहते हैं कि भारत तीन कारणों की वजह से चीन से इस मामले में पिछड़ा भारत से 25 साल आगे है चीन दुनिया को ध्यान में रखकर खिलौने बनाता है, सरकार से सब्सिडी मिलती है भारत का व्यापार संतुलन खराब है, भारत निर्यात से ज्यादा आयात करता है स्वदेशी को बढ़ावा देने और विदेशी खिलौने को रोकने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। सरकार ने इस साल फरवरी में खिलौना आयात शुल्क में 200 फीसदी की वृद्धि की। इसके अलावा एक सितंबर से आयात होने वाले खिलौने पर ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड के नियम लागू कर दिए जाएंगे। ये नियम उन खिलौने पर लागू किए जाएंगे, जो 14 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बने हो। इन नियमों के तहत आयात किए गए खिलौने की गुणवत्ता की जांच के लिए हर खेप में से कोई भी सैंपल ले लिया जाएगा। अगर खिलौने की गुणवत्ता मापदंड़ो पर नहीं खरी उतरी तो उन्हें या तो नष्ट कर दिया जाएगा या फिर पूरी खेप वापस कर दी जाएगी। हालांकि विदेशी खिलौने बच्चों के इस्तेमाल के लिए उचित नहीं बताए जाते हैं। उनमें से 67 फीसदी खिलौने बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। भारतीय गुणवत्ता परिषद ने साल 2019 में अलग–अलग कैटेगरी के लिए 121 खिलौनों की जांच की गई। इन खिलौनों में प्लास्टिक, लकड़ी, सॉफ्ट टॉय, मेटल से बने खिलौने, इलेक्ट्रिक खिलौने समेत और कई तरह के खिलौनों को शामिल किया गया था। इनमें से 67 खिलौने सुरक्षा मानकों की सभी जांच में असफल हुए, 30 फीसदी प्लास्टिक के खिलौने सुरक्षा के मानकों पर खरे नहीं उतरे और 75 फीसदी इलेक्ट्रिक खिलौने मैकेनिकल स्तर पर फेल हुए।

रिया के अलावा सुशांत केस में अबतक इन छह लोगों का जुड़ चुका है नाम, सभी ने किए कई खुलासे

सीबीआई और ईडी के अलावा सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले की जांच नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) भी कर रहा है।

एनसीबी की इस मामले में भूमिका ड्रग्स का एंगल सामने आने बाद बढ़ी है। अब तक एजेंसी ने इस मामले में कई गिरफ्तारियां भी की हैं। वहीं आज अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती भी एनसीबी की सामने पेश होंगी। इस बीच हम आपको बताते हैं कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले की कौन–कौन से लोगों का नाम सामने आ चुका है।

समाचार–पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।

जनपद रायबरेली मदारी खेड़ा गांव में चला प्रशासन का बुलडोजर

रायबरेली मदारी खेड़ा गांव में चला प्रशासन का बुलडोजर जनपद रायबरेली मदारी खेड़ा गांव में बच्चों देवी के घर पर चला बुलडोजर पच्चो देवी पत्नी से जगन्नाथ मदारी खेड़ा मधवापुर पोस्ट चौहोतर थाना सरेनी तहसील लालगंज की निवासिनी है उम्र 90 साल काफी बुजुर्ग हो चुके हैं असहाय बुजुर्ग के घर पर बुलडोजर चलाकर घर गिरा दिया गया जिससे बिना मकान के सड़कों पर भटक रही है एक बुजुर्ग महिला किसी तरह जोर बटोर के एक छत की व्यवस्था की थी जिसको भू माफियाओं के द्वारा वा ग्राम प्रधान लेखपाल की मिलीभगत से छत को ग्रस्त कर दिया गया सवाल यह उठता है कि किसी भी मकान को गिराने से पहले शासन प्रशासन या न्याय की तरफ से नोटिस आता है नोटिस आने के बाद समय दिया जाता है मकान को खाली कराने के लिए पर इस 90 वर्ष की महिला को कोई भी नोटिस नहीं आई बिना किसी सूचना के उसका मकान तोड़ दिया गया 20 साल से उसी जगह पर छप्पर डालकर अपना जीवन यापन कर रहे बुजुर्ग महिला के घर पर चला बुलडोजर घाटा संख्या 82 की भूमि पर बुजुर्ग महिला के मकान के साथ साथ अवैध तरीके से मकान और भी बने हुए हैं जो उन्हें प्रशासन को नहीं दिखाई पड़ रहे ना ही तो उन पर कोई कार्रवाई हुई है

उस महिला के ऊपर हो रहे अत्याचार शासन प्रशासन है मौन जिला अधिकारी जी के

खलिहान की भूमि तो घाटा पर कई मकान बने हैं उन मकानों को नहीं गिराया गया और ना ही कोई कानूनी कार्यवाही की गई प्रार्थना को बेघर कर दिया है दबंग कब्जेदार राजनीतिक दबाव में उप आदेश कराने पर भी क्षेत्रीय लेखपाल अमित व तहसीलदार ने पुलिस प्रशासन के साथ प्राथमिक का घर गिरवा का तहस–नहस करा दिया उक्त लोगों पर कानूनी कार्रवाई होनी ही चाहिए

कुशीनगर एयरपोर्ट से दो माह के भीतर शुरू हो जाएगा उड़ानः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश कें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश बौद्ध सर्किट की दृष्टिकोण से समृद्धशाली प्रदेश है। कुशीनगर समेत छह प्रमुख स्थल इस प्रदेश में हैं। केंद्र व प्रदेश सरकार पर्यटन के जरिए रोजगार की संभावनाओं को आगे बढ़ा रही है। इसी क्रम में कुशीनगर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अगले दो महीने के अंदर उड़ान शुरू हो जाएगी। श्रीलंका, जापान, सिंगापुर समेत तमाम देश कुशीनगर से हवाई सेवा से जुड़ने चाहते थे। लेकिन व्यस्थित व्यवस्था नहीं होने के चलते दिक्कत आ रही थी। कुशीनगर प्रदेश का चौथा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट होगा। यह पूरे पूर्वांचल के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री रविवार को कुशीनगर के निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निरीक्षण करने आए थे। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी व प्रदेश के उड्डयन मंत्री नंद गोपाल नंदी के साथ एयरपोर्ट के निरीक्षण व अफसरों के समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की मदद से प्रदेश में 17 हवाई अड्डों का निर्माण कार्य चल रहा है। पांच साल पहले यूपी में केवल दो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा था लेकिन केंद्र सरकार ने कुशीनगर व जेवर को इस श्रेणी में शामिल करके यह संख्या चार कर दी है। यूपी बौद्ध सर्किट के दृष्टिकोण से बेहद समृद्धशाली प्रदेश है। कुशीनगर भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली है। इसके अलावा सारनाथ, कपिलवस्तु, श्रावस्ती, कौशाम्बी व संकिसा भी इसी प्रदेश में हैं। इसके चलते श्रीलंका, थाईलैंड, जापान, सिंगापुर समेत तमाम देश कुशीनगर से सीधा जुड़ना चाहते थे लेकिन कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण दिक्कत आ रही थी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी का विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि केंद्र सरकार की मदद से विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार पर्यटन के जरिए रोजगार की संभावनाओं को आगे बढ़ा रही है। पिछले 25 वर्षों से इस क्षेत्र के लोगों की यह मांग थी कि कुशीनगर में एक सक्रिय हवाई अड्डा होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने लोगों की इस इच्छा को पूरा किया है। यहां से उड़ान शुरू होने पर न केवल कुशीनगर का बल्कि आसपास के अन्य जनपदों के लोगों को भी सुविधा व रोजगार के अवसर मिलेंगे। यह एयरपोर्ट कुशीनगर के साथ–साथ पूर्वांचल के लिए भी गौरव का विषय होगा। सीएम करीब डेढ़ घंटे तक एयरपोर्ट पर रहे।

नेशंस प्राइड बुक ऑफ रिकॉर्ड में रायबरेली की शिक्षिका पुष्पावती का नाम

महराजगंज रायबरेली नेशंस प्राइड बुक ऑफ रिकॉर्ड में रायबरेली के महराजगंज विकास खंड क्षेत्र सलेथू के विद्यालय की शिक्षिका कुमारी पुष्पावती का नाम अंकित हुआ है। पूर्व माध्यमिक विद्यालय सलेथू में तैनात शिक्षिका कुमारी पुष्पावती बच्चों को गुणात्मक शिक्षा दे रही हैं। आपको बता दें कि, वर्ष 2019 में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर का नाम नेशंस प्राइड बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया था। प्राथमिक स्तर पर बच्चों को गुणात्मक शिक्षा के साथ खेल–खेल में शिक्षा देने, विद्यालय को स्मार्ट बनाने, कई प्रकार का लर्निंग मैटीरियल तैयार कर एक्टिविटी बेस्ड लर्निंग व आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की शिक्षा व जीवन की बेहतरी के लिए अध्यापिका पुष्पावती को विद्यालय प्रबंधन समिति और कई संस्थाएं सम्मानित कर चुकी हैं। अध्यापिका पुष्पावती को नवाचार शिक्षा में प्राप्त पुरस्कारों के क्रम में एसडीएम महराजगंज के द्वारा उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र 7 सितंबर 2018 को मिला, इसके अलावा शिक्षक गौरव सम्मान 7 अक्टूबर 2018, नेशनल टीचर अवार्ड 9 जून 2019, शिक्षा ज्योति अवार्ड 9 जून 2019, अरविंदो सोसाइटी सम्मान पत्र 30 सितंबर 2019, राष्ट्रीय शिक्षा रत्न अवॉर्ड 15 नवंबर 2019, स्वीप जिला निर्वाचन कार्यालय रायबरेली द्वारा प्रशस्ति पत्र 2019, शिक्षक प्रतिभा सम्मान 2020, ऑनलाइन शिक्षा–शिक्षा शिरोमणि पुरस्कार 2020 और स्कूल प्रबंध समिति सम्मानित कर चुकी है। विदित हो कि, इस संवाददाता के साथ संक्षिप्त टेलिफोनिक वार्ता के दौरान पुष्पावती ने बताया कि, 5 सितंबर 2020 को राष्ट्रीय प्राइड बुक आफ रिकॉर्ड की सूची में एक आइडिल टीचर की हैसियत से उनका नाम दर्ज हुआ है। उनकी प्रेरणा के स्रोत बीईओ मुख्यालय वीरेंद्र कनौजिया, तथा मार्गदर्शन बीईओ सतांव लालमणि राम और बीईओ महराजगंज रहें है। उन्होंने बताया कि, उनकी प्रथम नियुक्ति सहायक अध्यापिका के रूप में 12 फरवरी 2009 को हुई थी, वहीं वर्तमान जिले यानी की रायबरेली जनपद में 10 अक्टूबर 2013 को बंद पड़े पूर्व माध्यमिक विद्यालय अन्दूपुर में नियुक्ति हुई थी। यहां इन्होंने आठ बच्चों को लेकर विद्यालय शुरू किया था। यहां आने के बाद इन्होंने देखा कि, विद्यालय की फर्स बहुत खराब है, जहां बच्चों को बैठ कर पढ़ाई करने में अव्यवस्था हो रही थी, जिसके बाद उन्होंने स्वयं के पैसे खर्च करके यहां की फर्श दुरुस्त कराई, और जिन दो बच्चों का दाखिला विलंब से हुआ था, उन 2 बच्चों को अपने पैसों से स्कूल ड्रेस आदि खरीद कर दी। पुष्पावती इस समय हुए पूर्व माध्यमिक विद्यालय सलेथू में सहायक अध्यापिका के रूप में कार्य कर रही है।उधर जैसे ही 5 सितंबर 2020 को राष्ट्रीय प्राइड बुक ऑफ रिकॉर्ड की सूची में पुष्पावती का एक आइडिल टीचर की हैसियत से नाम दर्ज होने की खबर हुई, वैसे ही विधायक राम नरेश रावत, भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य राजा राकेश प्रताप सिंह, पूर्व विधायक राजाराम त्यागी, ब्लाक प्रमुख सत्येंद्र प्रताप सिंह, भाजपा नेता व जिला पंचायत सदस्य प्रभात साहू, तौ... जिला सेवा प्रमुख रमेश अवस्थी, विनोद अवस्थी, इरशाद सिद्दीकी, दयाशंकर, प्रदीप चौरसिया, मोहम्मद अली, शिव शरण सिंह, अनुपम, शंकर बक्स सिंह, सलेथू ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जयप्रकाश साहू, बछरावां के अग्रज व्यवसाई शशिकांत मिश्रा, अग्रज व्यवसाई शैलेंद्र प्रताप साहू उर्फ राहुल, प्रेस क्लब संरक्षक व वरिष्ठ पत्रकार सुभाष पांडेय, वरिष्ठ अधिवक्ता व संरक्षक अजय श्रीवास्तव सहित समस्त प्रेस क्लब महराजगंज की टीम ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

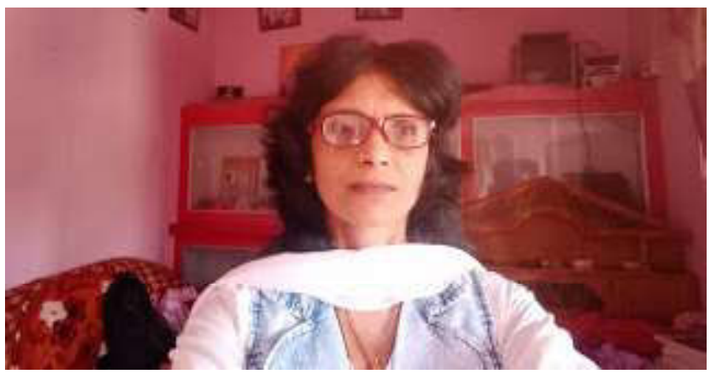

राममंदिर निर्माण के लिए अब तक मिला इतने करोड़ का दान

अयोध्या अयोध्या में भूमि पूजन के बाद राममंदिर निर्माण शुरू होने के साथ ही दान देने का भी सिलसिला तेज हो गया है। बड़ी संख्या में भक्त राममंदिर के लिए दान दे रहे हैं। राममंदिर के खाते में अब तक करीब 70 करोड़ रुपये का दान मिल चुका है। रामलला के नाम पहले ही करीब 11 करोड़ की धनराशि जमा थी, अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट गठित होने के बाद भारी धनराशि दान में आ रही है। रामकचहरी मंदिर में स्थित श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट कार्यालय में प्रतिदिन दान के रूप में करीब पचास हजार रुपये आ रहे हैं। जबकि हर सप्ताह करीब दो से ढाई लाख रुपये का दान ट्रस्ट कार्यालय में आ रहा है। बड़ी संख्या में चेक भी कार्यालय पहुंच रहे हैं, जिसे बैंक में जमा कराया जा रहा है। राममंदिर ट्रस्ट कार्यालय के प्रभारी प्रकाश गुप्ता बताते हैं कि रामलला का दर्शन करने आ रहे दर्शनार्थी भी है। अप्रैल माह में जहां जुलाई में यह संख्या की नकदी आ रही है। रामलला के दर्शनार्थी 11 रुपये से लेकर दो हजार तक का दान कर रहे हैं। प्रति सप्ताह करीब दो से ढाई लाख का नकद दान ट्रस्ट कार्यालय आ रहा वहीं मई में भी करीब पौने तीन करोड़ का दान आया। जून में दानदाताओं की संख्या बढ़ी और करीब साढ़े तीन करोड़ का दान रामभक्तों ने राममंदिर निर्माण के लिए दिया।

राममंदिर निर्माण के लिए दान दे रहे हैं। ट्रस्ट कार्यालय में प्रतिदिन दान के रूप में करीब 50 हजार करीब ढाई करोड़ रुपये का दान नगदी, चेक, मनीआर्डर, ऑनलाइन आदि तरीकों से आया है। करीब–करीब दो गुनी हो गई और करीब साढ़े पांच करोड़ रुपये का दान प्राप्त हुआ है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेशन्स, आशा काम्प्लेक्स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाशित। **RNI No. UPHIN/**2015/6090 सम्पादक– विवेक श्रीवास्तव, फोन नं. **8004949556,7570901365 Email. info@theachievertimes.com**

समाचार–पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।